लखनऊ

शुक्रवार, 4 सितंबर, 2026

वर्ष : 12 । अंक: 11

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जो व्यक्ति स्पष्ट और सीधी बात करता है, उसकी वाणी भले ही कठोर हो, लेकिन वह कभी धोखा नहीं देता।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi | NIGHT 28° Low

संक्षेप

महाराष्ट्र एफडीए की बड़ी कार्रवाई, खाद्य सुरक्षा उल्लंघन पर ईटक्लब के आउटलेट का लाइसेंस निलंबित

मुंबई। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और संचालन संबंधी कई गंभीर खामियां पाए जाने के बाद मुंबई स्थित ईटक्लब ब्रांड्स के एक आउटलेट का खाद्य लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एफडीए ने बताया कि यह कार्रवाई 2 सितंबर से प्रभावी है और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार की गई है। संबंधित ईटक्लब आउटलेट गोरेगांव पूर्व स्थित रॉयल पाम्स, आरे मिल्क कॉलोनी में है। यह कार्रवाई केवल इसी प्रतिष्ठान पर लागू होगी और कंपनी के अन्य आउटलेट इससे प्रभावित नहीं होंगे। ईटक्लब के अंतर्गत बॉक्स8 और मोजो पिज्जा समेत कई लोकप्रिय फूड ब्रांड संचालित होते हैं। एफडीए द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निरीक्षण के दौरान आउटलेट में खाद्य पदार्थों, पैकेजिंग सामग्री और रसायनों के भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं पाई गई। इसके अलावा परिसर में खराब स्वच्छता, हाथ धोने की अपर्याप्त सुविधाएं, पर्याप्त रोशनी और वेंटिलेशन की कमी तथा कीट नियंत्रण व्यवस्था में खामियां भी सामने आईं। निरीक्षण टीम ने पाया कि पीछे के दरवाजे से कीटों और चूहों के प्रवेश को रोकने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। साथ ही खाद्य तैयारी में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की खाद्य सुरक्षा खतरों के लिए ठीक से जांच और सफाई भी नहीं की जा रही थी। एफडीए के अनुसार, खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले कर्मचारियों के पास आवश्यक सुरक्षा उपकरण जैसे एप्रन, दस्ताने, हेडगियर और शू-कवर उपलब्ध नहीं थे। कर्मचारियों के प्रशिक्षण और मेडिकल जांच से जुड़े रिकॉर्ड भी अधूरे पाए गए।

चीनी मिलों के लिए राहत पैकेज, सरकार लाएगी 2,000 करोड़ की आसान ऋण योजना

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सहकारी चीनी मिलों के लिए आसान लोन योजना और बाय प्रोडक्ट पॉलिसी लाई जाएगी। सहकारी चीनी मिलों को आर्थिक स्थिरता देने और गन्ना किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए सरकार केंद्र सरकार की पॉलिसी के आधार पर एक सॉफ्ट लोन स्कीम शुरू करने जा रही है। डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे मंजूरी के लिए राज्य कैबिनेट के सामने तुरंत एक औपचारिक प्रस्ताव पेश करें। प्रस्तावित योजना के तहत, योग्य सहकारी चीनी मिलों को लगभग 2,000 करोड़ का कम ब्याज वाला सॉफ्ट लोन फंड मिल सकेगा। इन लोन को चुकाने के लिए 7 साल का समय मिलेगा और राज्य सरकार सालाना लगभग 100 करोड़ रुपए का ब्याज का बोझ उठाएगी। यह फंड हर फैक्ट्री की गन्ना पेराई क्षमता और आर्थिक स्थिति की समीक्षा के बाद डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक (डीसीसीबी) और महाराष्ट्र स्टेट कोऑपरेटिव बैंक (एमएससीबी) के जरिए दिया जाएगा। सरकार की ओर से यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है कि जब राज्य की चीनी मिलें भारी आर्थिक संकट से जूझ रही हैं और उन पर पिछले पेराई सीजन का किसानों का लगभग 200 करोड़ का बकाया है। इस फंड से मिलों को बकाया चुकाने और आने वाले पेराई सीजन के लिए आसानी से तैयारी करने में मदद मिलेगी।

'संवाद और कूटनीति से ही संघर्षों का समाधान संभव'

पीएम मोदी ने भारत की आर्थिक वृद्धि को सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और बेल्जियम, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के जल्द समाधान का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि संवाद और कूटनीति से ही संघर्षों का समाधान संभव है। पीएम मोदी ने बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ द्विपक्षीय मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बातें कही।

पीएम मोदी ने कहा, 'आज हमने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। भारत और बेल्जियम, दोनों ही देश कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्ष के जल्द समाधान और शांति के प्रयासों का समर्थन करते हैं। आतंकवाद को उसके सभी रूपों में जड़ से खत्म करना, हमारी साझा प्रतिबद्धता है।'

पीएम मोदी ने वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी की तारीफ की और कहा कि यह देश की विकास यात्रा में दुनिया के विश्वास का स्त्रोत है। पीएम मोदी ने कहा, 'इस समय दुनिया उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है और अनिश्चितता खाद्य और ईंधन को लेकर आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित कर रही है। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने गति बनाए रखी है। हमने पिछली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आज भारत की विकास गाथा दुनिया के लिए विश्वास और नए अवसरों का स्त्रोत बन रही है।'

वृंदावन में सीएम योगी बोले

'विदेशी आक्रांताओं ने मंदिर तोड़े, पर श्रीकृष्ण की स्मृति को नहीं मिटा पाए'

आर्यावर्त क्रांति

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृंदावन के पवन हंस हेलीपैड पर आगमन के बाद स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह पहुंचकर इसका भव्य लोकार्पण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमान प्रसाद धानुका विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगीत से हुआ। इसके बाद ब्रज के कलाकारों ने राधा-कृष्ण की लीलाओं का मनमोहक मंचन किया। समारोह में गुजरात के गरबा और ब्रज के प्रसिद्ध मयूर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां भी दी गईं।

लोकार्पण से पूर्व मुख्यमंत्री ने भगवान कृष्ण के स्वरूप में सजे-धजे नन्हे बच्चों का अन्नप्राशन कराकर उन्हें उपहार भेंट किए। इसके साथ ही उन्होंने ब्रज के प्रमुख संतों फूलडोल बिहारी दास महाराज, महंत सुतीक्ष्ण दास, महंत सनतकुमार शरण महाराज, स्वामी रामदेवानंद सरस्वती और संत बलराम दास का स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान 321 सपेरा समाज के लाभार्थियों को भवन आवंटन पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

ब्रज में तेजी से बदल रही विकास की तस्वीर

पूर्व मंत्री व विधायक श्रीकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि ब्रज से लेकर गोरखपुर तक सतत विकास हो रहा है। उन्होंने कहा, ₹योगी बाबा आयो है, एक हजार इक्यावन करोड़ रूपैया लायौ है।₹ वर्ष 2017 से पहले ब्रज की स्थिति जर्जर थी, लेकिन केंद्र में नरेंद्र मोदी और राज्य में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व से क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है। उन्होंने बताया कि पूर्व में यमुना में गिरने वाले मथुरा के 36 में से 32 नालों को बंद कर दिया गया है और शेष 4 नाले भी अक्टूबर तक पूरी तरह बंद हो जाएंगे। साथ ही सूरदास ब्रजभाषा अकादमी की स्थापना और ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर पड़ाव स्थलों के निर्माण का कार्य तेजी से जारी है।

हल्द्वानी 'शुद्धिकरण' घटना पर खड़गे का नड्डा को पत्र, एफआईआर की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि वे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को निर्देश दें कि वे उन लोगों के खिलाफ FIR दर्ज कराएं जो पिछले महीने हल्द्वानी में खड़गे की रैली वाली जगह को कथित तौर पर शुद्ध करने में शामिल थे। खड़गे ने 2 सितंबर को लिखे पत्र में नड्डा को राज्यसभा में दिए गए उनके उस आश्वासन की याद दिलाई, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस घटना की जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खड़गे ने हिंदी में लिखे अपने पत्र में कहा कि आपको याद होगा कि 13 अगस्त 2026 को राज्यसभा में, मैंने बहुत दुख और पीड़ा के साथ, 8 अगस्त 2026 को हल्द्वानी में हुई अपनी जनसभा के बाद छुआछूत से जुड़ी 'शुद्धिकरण' की घटना का मुद्दा उठाया था। खड़गे ने कहा कि मेरी बात के जवाब में आप सदन में खड़े हुए और कहा, 'महोदय, माननीय खड़गे जी ने जो कहा है, वह सचमुच बहुत दुखद विषय है। यह न केवल कांग्रेस पार्टी के लिए दुखद है, बल्कि हम सभी के लिए दुखद है। जो कुछ भी हुआ है, उसकी निश्चित रूप से जांच की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करती है। मैं इसकी निंदा करता हूं और राष्ट्रीय अध्यक्ष भी इसकी पूरी जांच करेंगे। आपकी भावनाओं को जो ठेस पहुंची है, वह हम सभी के लिए खेद का विषय है। उन्होंने कहा कि नड्डा ने सदन को यह भी भरोसा दिलाया था कि जांच के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के माननीय सभापति (सी.पी. राधाकृष्णन) ने भी इस घटना पर दुख जताया। खड़गे ने कहा कि उन्हें हैरानी है कि घटना के 24 दिन बाद भी, इसमें कथित तौर पर शामिल संगठनों या व्यक्तियों के खिलाफ कोई FIR दर्ज नहीं की गई है। खड़गे ने अपने पत्र में कहा कि इस घटना का सबसे आपत्तिजनक पहलू यह था कि रामलीला मैदान में, जहां मैंने रैली को संबोधित किया था।

पंजाब में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से राघव चड्ढा का नाम कटा

नाम कट जाने से राज्यसभा सदस्यता पर था खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब SIR से राघव चड्ढा का नाम कट जाने से नया विवाद खड़ा हो गया है। आम आदमी पार्टी सरकार पर आरोप है कि उसने राजनीतिक बदले की भावना से ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की है। खुद राघव चड्ढा ने ये आरोप लगाया है। जो सूची जारी की गई है उसमें उन्हें शिफ्टेड दिखाया गया है। इस खबर के आते ही एक दावा किया जा रहा है कि अगर राघव चड्ढा का नाम SIR से कट गया तो उनकी राज्यसभा सदस्यता पर खतरा आएगा। असल में ऐसा नहीं है। अगर SIR की फाइनल लिस्ट से राघव चड्ढा का नाम कट भी जाए तब भी उनकी कुर्सी को कोई खतरा नहीं है। खुद राज्यसभा की निर्वाचन नियमावली में इसका जिक्र है।

राघव चड्ढा राज्यसभा में पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह 2022 में आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। इसी साल उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था। उसी के बाद से आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच बयानबाजी चल रही है। ये तब और बढ़ गई जब पंजाब SIR की ड्राफ्ट लिस्ट जारी की गई। राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट में लिखा कि- आम आदमी पार्टी सरकार ने अब बदले की राजनीति को ड्राफ्ट वोटर लिट तक पहुंचा दिया है। उन्होंने लिखा है कि शुक्र है कि ये ड्राफ्ट वोटर लिस्ट है। इस पर दावा और आपत्ति अभी बाकी हैं। सांसद ने कहा कि वह अक्टूबर में प्रकाशित होने वाली फाइनल लिस्ट में अपना नाम वापस दर्ज कराने की कोशिश में लगे हैं। पंजाब SIR में नाम कट जाने से एकदम से ये दावा किया जाने लगा कि राघव चड्ढा की राज्यसभा सदस्यता को खतरा हो सकता, जबकि ऐसा है नहीं। नियम के मुताबिक किसी भी राज्यसभा सीट से चुनाव लड़ने वाला नेता का देश के किसी भी हिस्से में एक मतदाता के तौर पर रजिस्टर्ड होना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

लॉ स्टूडेंट के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार बीसीआई के पास नहीं

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया के NALSAR लॉ यूनिवर्सिटी से जुड़े उस आदेश को लेकर चल रहे विवाद के बीच, जिसे बाद में वापस ले लिया गया था, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि BCI और राज्य बार काउंसिलों के पास लॉ स्टूडेंट्स के व्यवहार को रेगुलेट करने की कानूनी शक्ति नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ये संस्थाएं उनके खिलाफ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई तभी कर सकती हैं जब वे एडवोकेट के तौर पर एनरोल हो जाएं। ये टिप्पणियाँ भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की तीन जजों की बेंच ने कीं। बेंच ने कहा कि छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करना उनके संबंधित विश्वविद्यालयों या संस्थानों के अधिकार क्षेत्र में आता है, जो उनके अपने नियमों और विनियमों के तहत होता है। 'बार एंड बेंच' की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट ने कहा, 'यह अधिकार उस विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थान के पास होता है जिसमें छात्र नामांकित होते हैं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया कानूनी शिक्षा के मानकों को निर्धारित और लागू कर सकती है, जो कानूनी प्रावधानों और लागू नियमों के अनुसार हों। हालाँकि, वह किसी लॉ छात्र के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं कर सकती है।

इस सब की शुरुआत BCI के 13 अगस्त के उस आदेश से हुई जिसमें कहा गया था कि NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ़ लॉ के 2026 बैच के ग्रेजुएट्स को राज्य बार काउंसिल्स में एनरोल नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में कांत के शामिल होने का विरोध किया था। हालाँकि, बाद में भारी विवाद के बाद इस आदेश को वापस ले लिया गया।

'स्कूल ठीक करो' अभियान का क्यों करते हैं विरोध?: अभिजीत दीपके का भाजपा पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान 'स्कूल ठीक करो' अभियान को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बेहतर स्कूल और शिक्षा का मुद्दा किसी एक राजनीतिक पार्टी या संगठन का मुद्दा नहीं है, बल्कि देश के हर बच्चे के भविष्य से जुड़ा सवाल है।

अभिजीत दीपके ने कहा कि आम आदमी पार्टी के साथ-साथ महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी भी स्कूलों को बेहतर बनाने की बात कर रही हैं। ऐसे में जो भी लोग चाहते हैं कि देश के स्कूल अच्छे हों, उनका स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब भी स्कूलों को बेहतर बनाने की बात होती है, तो भाजपा के लोग इसका विरोध क्यों करने लगते हैं। क्या भाजपा को नहीं लगता कि शिक्षा महत्वपूर्ण है और देश के भविष्य के लिए अच्छे स्कूल जरूरी हैं? अभिजीत दीपके पर आम आदमी पार्टी की 'बी टीम' होने और अरविंद केजरीवाल से फंडिंग मिलने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि अलग-अलग लोग उन्हें अलग-अलग पार्टियों की 'बी टीम' बताते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उन्हें कांग्रेस की 'बी टीम' बताते हैं, जबकि कुछ लोग अरविंद केजरीवाल की 'बी टीम' होने का आरोप लगाते हैं।

अभिजीत ने तंज कसते हुए कहा कि सभी लोग एक साथ बैठकर यह तय कर लें कि आखिर वह किसकी 'बी टीम' हैं। उन्होंने कहा, हम किसी पार्टी की 'बी टीम' नहीं हैं, हमारे हिसाब से हम छात्रों की 'ए टीम' हैं।

आकाश आनंद को मैच्योर होने की जरूरत, अभी बड़ी जिम्मेदारी नहीं... भतीजे को लेकर मायावती का बड़ा बयान

मायावती ने आकाश आनंद अपरिपक्व बताया: उन्होंने कहा बड़ी जिम्मेदारी फिलहाल नहीं दी जाएगी

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर झटका दिया है। मायावती ने आज की महत्वपूर्ण बैठक में साफ कहा कि आकाश आनंद में अभी पर्याप्त परिपक्वता नहीं आई है। मायावती के अनुसार, जब तक वह और ज्यादा मैच्योर नहीं हो जाते, तब तक उन्हें पार्टी की कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं सौंपी जाएगी। गौरतलब है कि इस बैठक में आकाश आनंद को भी नहीं बुलाया गया था।

यह उनके लिए इस तरह का तीसरा बड़ा झटका है, जिसके बाद BSP में उनकी भूमिका और राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। BSP की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को लखनऊ में पार्टी की राष्ट्रीय स्तर की बैठक बुलाई थी।

किन विषयों पर केंद्रित रही बैठक?

इस बैठक में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और गुजरात जैसे अहम राज्यों में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए मुख्य रणनीतियों को अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। मायावती चुनाव वाले राज्यों के नेताओं से वहां के बदलते राजनीतिक हालात पर सीधे फीडबैक लेने और फिर उनके इनपुट के आधार पर राज्य-विशेष रणनीतियों पर चर्चा हुई। राज्य इकाइयां पार्टी प्रमुख को जिला और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने में आ रही दिक्कतों के बारे में भी जानकारी दी। नेताओं द्वारा कैडर विस्तार, आपसी तालमेल और लोगों तक पहुंच बनाने से जुड़ी चुनौतियों को पर चर्चा हुई। इसके बाद मायावती इन समस्याओं के समाधान के लिए निर्देश दिया।

विपक्षी पार्टियों पर साधा था निशाना

आकाश आनंद ने 10 अगस्त को हाथरस के सादाबाद में जनसभा कर पार्टी के चुनावी अभियान की शुरुआत की। बीजेपी की प्रदेश और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर भी निशाना साधा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अंकल कहकर संबोधित किया। अपनी उम्र 30 साल बताते हुए कहा कि अखिलेश यादव करीब 50 साल के हैं, इसलिए उन्हें अंकल कहना अनादर नहीं है। ये कोई पहली बार नहीं है। 2024 में उनके एक बयान को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद मायावती ने उन्हें कुछ समय के लिए पार्टी की जिम्मेदारियों से हटा दिया था। बाद में उन्हें फिर से राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई।

'आप' को राहत : सत्येंद्र जैन को कोर्ट से मिली जमानत, दिल्ली जल बोर्ड घोटाले में एसीबी ने किया था गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व दिल्ली मंत्री सत्येंद्र जैन को डीजेबी एसटीपी टेंडर घोटाला मामले में जमानत दे दी है। उन्हें भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने इसी मामले में गिरफ्तार किए था। सत्येंद्र जैन को दो लाख रुपये के जमानत बॉन्ड और इतनी ही राशि के दो मुचलके पर जमानत मिली है।

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के टेंडर में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामले में एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने बीती 18 अगस्त को पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें तत्कालीन डीजेबी सीईओ और आईएएस अधिकारी उदित प्रकाश राय, बोर्ड के पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव, एएन एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर नागेंद्र यादव, यूरोटेक एनवायरमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मालिक राजा कुमार कुर्रा और सृजनहार के प्रोपराइटर पंकज वर्मा शामिल थे।

एसीबी के प्रमुख सयुंक्त पुलिस आयुक्त विक्रमजीत सिंह ने बताया था कि मामला एसटीपी के उन्नयन और क्षमता बढ़ाने के लिए जारी टेंडरों में बड़े पैमाने पर अनियमितता, टेंडर शर्तों में हेरफेर और आपराधिक साजिश से जुड़ा था। जांच में सामने आया था कि टेंडर में ऐसी तकनीकी शर्तें शामिल की गईं, जिनसे एक खास तकनीक और उसके प्रदाता यूरोटेक को तौर पर फायदा हुआ। इससे प्रतिस्पर्धा सीमित हुई और सरकारी खजाने पर वित्तीय बोझ पड़ा।

छा गई खामोशी: लोकेश-नारायणी हाजिर हों, कोर्ट में आज भी लगती है पुकार, दोनों गए स्वर्ग सिधार

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अदालत में तारीख लगी। पेशकार ने आवाज लगाई-लोकेश... नारायणी देवी... श्योराज हाजिर हों। इसके बाद कमरे में कुछ पल की खामोशी रही। वहां मौजूद अधिवक्ता और कुछ लोग एक-दूसरे की तरफ देखने लगते हैं। अधिवक्ता ने बताया कि पुकारे गए तीन नामों में से दो अब सिर्फ फाइलों में हैं।

लोकेश की मौत को नौ साल हो चुके हैं। उसकी मां नारायणी देवी भी वर्ष 2023 में दुनिया छोड़ चुकी हैं। जिंदा हैं तो सिर्फ 80 साल के श्योराज। वह आज भी अदालत की तारीख पर पहुंच रहे हैं। यही नहीं जिस महिला की शिकायत पर यह मुकदमा शुरू हुआ, वह भी पिछले 12 साल से अदालत नहीं पहुंची है। यानी अदालत में एक तरफ मृत आरोपियों के नाम पुकारे जा रहे हैं, दूसरी तरफ वादी की गैरहाजिरी के बीच मुकदमा आगे बढ़ रहा है।

मामला वर्ष 2014 का है। बन्नादेवी क्षेत्र की लता की शादी देहली गेट निवासी लोकेश से हुई थी। कुछ समय बाद पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। वर्ष 2016 में लता ने अदालत में परिवाद दाखिल किया। पति लोकेश, सास नारायणी देवी और ससुर श्योराज पर दहेज उत्पीड़न के आरोप लगाए गए। फिर समय ने इस मुकदमे की कहानी ही बदल दी। वर्ष 2017 में लोकेश की मौत हो गई। बेटे की मौत के कुछ साल बाद नारायणी देवी का भी वर्ष 2023 में निधन हो गया, लेकिन दोनों की मौत की सूचना अदालत की फाइल तक समय पर नहीं पहुंची। इसलिए कागजों में वे आज भी आरोपी हैं और तारीख आने पर उनके नाम की पुकार भी हो जाती है।

अब सिर्फ बुजुर्ग ससुर ही लड़ रहे कानूनी लड़ाई

इस पूरे मुकदमे में अब एकमात्र जीवित आरोपी बचे हैं ससुर श्योराज। करीब 80 वर्ष की उम्र के पड़ाव पर पहुंच चुके श्योराज इस ढलती उम्र में भी अकेले अदालत की तारीख पर पहुंच रहे हैं। न्यायपालिका की फाइलों में धूल फांक रहे इस अनोखे मामले की अगली सुनवाई अब सिविल जज जूनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट-1 के न्यायाधीश मो. फरहान की अदालत में 26 सितंबर को तय की गई है।

जांच अधिकारी अदालत में पेश करते हैं रिपोर्ट

विधि के जानकार दिनेश कुमार कहते हैं कि मुकदमा ट्रायल के चरण में है और पुलिस को आरोपी की मौत की बात पता चलती है, तो पुलिस या जांच अधिकारी अदालत में अपनी रिपोर्ट या तस्दीकशुदा जानकारी पेश करते हैं। जब अदालत में कानूनी रूप से यह पुष्टि हो जाती है कि आरोपी की मौत हो चुकी है, तो उस मृत आरोपी के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को समाप्त कर दिया जाता है। इस मामले में अदालत तक आरोपियों की मौत की सूचना ही नहीं पहुंच सकी।

प्रेस क्लब में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद, सभी ने दो मिनट का मौन रखा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। वरिष्ठ पत्रकार रहे सतीश पांडेय की हुई असामयिक मृत्यु के बाद जनपद के पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई। गुरुवार को प्रेस क्लब में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उपस्थित सभी पत्रकारों ने नम आँखों से अपने साथी पत्रकार सतीश पांडेय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। बाद में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। सभी एक दूसरे से अपने साथी दिवंगत पत्रकार सतीश पांडेय के हंसते चेहरे की चर्चा करते हुए देखे गए। पत्रकारों के गुरु के रूप में प्रसिद्ध व दिवंगत पत्रकार सतीश पांडेय के ताऊ जी(बड़े पिता) मनोराम पांडेय जी पूरे समय अपने पुत्रवत भतीजे को याद कर रोते हुए दिखे। सभी पत्रकार उन्हें ढांढस बंधाते नजर आए। ज्ञातव्य है कि सतीश पांडेय लखनऊ से प्रकाशित एक अखबार के वर्षों से चीफ ब्यूरो के रूप में कार्य कर रहे थे। दस दिन पूर्व मस्तिष्क ज्वर से पीड़ति होने पर परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए नगर के गोमती हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था। स्थिति नियंत्रित न होने पर उन्हें लखनऊ स्थित मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था।जहां इलाज के दौरान मंगलवार की देर रात उनकी मृत्यु हो गई थी। उनकी मौत की सूचना पर पत्रकार जगत में शोक की लहर व्याप्त हो गई। बुधवार को उनके पैतृक गांव के पास स्थित आदि गंगा गोमती के दियरा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें जनपद के राजनैतिक, व्यावसायिक व जिले के लगभग सभी पत्रकार शामिल हुए थे।

संस्कृत प्रतिभान्वेषण प्रतियोगिता में प्रतिभाओं ने दिखाई प्रतिभा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम, लखनऊ द्वारा संचालित 'संस्कृत प्रतिभान्वेषण-2026' की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन श्री संस्कृत महाविद्यालय, करौंदिया, सुलतानपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता शारदा प्रसाद मिश्र ने किया।

मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य कृपा शरण द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति में जनपद के विभिन्न विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने संस्कृत गीत एवं संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। संस्कृत गीत प्रतियोगिता में पूर्णिमा चतुर्वेदी ने प्रथम, अंजली मिश्रा ने द्वितीय तथा वरुण उपाध्याय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में अभिराज उपाध्याय प्रथम, अभिषेक पाठक द्वितीय तथा कु. दुर्गेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका विजय प्रकाश मिश्र, डॉ. पूनम मिश्र, शशि मौलिनाथ पाण्डेय एवं पं. सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रीता देवी, अंगद मिश्र, शिव नारायण पाण्डेय, सुधाकर मिश्र, पंचदेव पाण्डेय सहित अन्य लोगों का सक्रिय सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंत में शिव मोहन शुक्ल ने सभी अतिथियों, निर्णायकों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता के जनपदीय संयोजक डॉ. शारिधर मिश्र ने विजेता प्रतिभागियों सहित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेसवे की सूरत बिगड़ी, चार और जगहों पर धंसी मिट्टी, कंपनी ने आनन–फानन कराई मरम्मत

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव जिले में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के निर्माण में हुई अनियमितता से सड़क रोज कई जगह और दब रही है। बुधवार को कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन पर तीन और लखनऊ से कानपुर जाने वाली लेन पर एक स्थान पर बारिश के पानी से मिट्टी धंस गई।

वहीं, बारिश होने से दो स्थानों दोनों लेन पर तीन जगह सड़क में नाली (व्हील ट्रैक) में भर रहे पानी से लोगों को परेशानी हुई। कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन पर किलोमीटर संख्या 59 से 59.3 कोरारी गांव के पास तीन सौ मीटर में दो जगहें बनी नाली में बारिश के दौरान पानी भरने से वाहन चालकों को परेशानी हुई।

कोरारी टोल से पहले सड़क पर पानी भरा नजर आया

किलोमीटर संख्या 55.4 और 56 के बीच अड़ेरुवा गांव के पास भी दो जगह सड़क में पानी भरने की समस्या नजर आई। वहीं, लखनऊ से कानपुर जाने वाली लेन में भी किलोमीटर संख्या 58.3 और कोरारी टोल से एक किमी पहले सड़क पर पानी भरा नजर आया। यहां से निकलते समय तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार पानी से निकलने के दौरान खिंचाव से परेशानी हुई।

बारिश की वजह से बड़ा रेन कट हो गया

किलोमीटर संख्या 64.5 कोरारी रेलवे पुल के अंडरपास के लखनऊ से कानपुर लेन पर सड़क और पुल के बीच करीब दो फीट सड़क दब गई। निर्माण एजेंसी पीएनसी के कर्मचारी मरम्मत कराते नजर आए। आटा गांव के सामने लखनऊ से कानपुर लेन पर बारिश की वजह से बड़ा रेन कट हो गया। यहां भी कंक्रीट भरकर मरम्मत की गई।

गंगा एक्सप्रेसवे की नाली में आई दरार

मेरठ से प्रयागराज तक बने गंगा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 421 पर बनी नाली में ढाली गई आरसीसी में बुधवार को पांच मीटर लंबी दरार आ गई। इससे नाली के बह जाने का खतरा बढ़ गया। पटेल इंफ्रास्ट्रक्चर के मैनेजर आरएस मिश्रा ने बताया कि भारी बारिश के कारण एक्सप्रेसवे पर टोल के पास क्षतिग्रस्त हुई सड़क की मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया है।

कोई भी एक्सप्रेसवे हो, पहली बारिश में इस तरह की समस्याएं आती हैं। पूरे एक्सप्रेसवे की कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की जा रही है। जहां पर थोड़ी भी समस्या नजर आती है। फील्ड में काम कर रहीं 10 मोबाइल टीमों को मैसेज देकर अधिकतम एक घंटे में मरम्मत करा दी जाती है। यह प्रक्रिया दिन-रात चल रही है। एक्सप्रेसवे के रखरखाव की जिम्मेदारी अगले 15 साल तक की है, जहां पर जो भी समस्या होगी उसे तत्काल ठीक कराया जाएगा।

-विजय एस कुंडू, मैनेजर पीएनसी

फर्जी दस्तावेजों के जरिये जमीन हड़पने का आरोप, 10 साल पुराने मामले में रिपोर्ट दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अलीगढ़। फर्जी वोटर कार्ड, स्थानांतरण प्रमाणपत्र और निवास प्रमाणपत्र तैयार कर जमीन हड़पने के आरोप का मामला सामने आया है। गांव सोखना की महिला ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत के बाद चार लोगों के खिलाफ कोतवाली हाथरस गेट में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गांव सोखना की मिथलेश शर्मा का आरोप है कि मृतक घूरेलाल के नाम के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसके बेटे के रूप में उज्जैन के रहने वाले मुन्नालाल ने फर्जी पहचान दर्शाई और जमीन का बैनामा करा लिया गया। मुन्नालाल के अलावा गांव सोखना के ही हीरा सिंह, मुकेश कुमार व नेहरू कॉलोनी के चंद्रप्रकाश छावड़ा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है।

आरोप है कि मुन्नालाल के नाम से सीर सोखना के पते पर फर्जी निवास प्रमाणपत्र और टीसी भी बनवाई गई। शिकायत में कहा गया है कि इन दस्तावेजों के आधार पर 2 मई 2014 को मुन्नालाल का नाम भू-अभिलेखों में दर्ज करा दिया गया और अगले ही दिन जमीन का बैनामा उसकी पत्नी भगवान देवी के नाम कर दिया गया। सीओ सिटी हिमांशु माथुर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गोकशी का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली, तमंचा–कारतूस और पशु काटने के उपकरण बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली में पुलिस ने गोकशी के मामले में वांछित आरोपी छोटा उर्फ राशिद को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसके पास से हथियार, कारतूस, स्कूटी और पशु कटान के उपकरण बरामद किए हैं। यह मुठभेड़ बृहस्पतिवार को तड़के करीब साढ़े तीन बजे कैंट थाना क्षेत्र के कठपुला पुल के पास हुई।

सीओ सिटी प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गोकशी के मुकदमे में वांछित आरोपी कठपुला पुल से गुजरेगा। सूचना पर पुलिस टीम कठपुला पुल की ओर रवाना हुई। कृष्णा कॉलोनी की तरफ से एक व्यक्ति स्कूटी पर आता दिखा। पुलिस को देखकर उसने स्कूटी तेजी से भगाना शुरू कर दिया। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। गड्ढे और फिसलन के कारण उसकी स्कूटी कठपुला पुल के पास गिर गई।

पुलिस पर की फायरिंग

खुद को घिरा देखकर आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। उसने कठपुला पुल के पास मैदान की ओर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इसमें बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पीलीभीत का निवासी है तस्कर

सीओ सिटी ने बताया कि घायल आरोपी की पहचान छोटा उर्फ राशिद के रूप में हुई है। वह पीलीभीत जिले के बीसलपुर का निवासी है। यह आरोपी थाना कैंट में दर्ज प्राथमिकी में वांछित था। यह प्राथमिकी 23 अगस्त को नकटिया नदी के पुल के पास गोवंशीय अवशेष मिलने के बाद गोवंश संरक्षण अधिनियम के तहत दर्ज की गई थी। मामले में 30 अगस्त को दो अन्य आरोपी पैकर इल्मास वारसी खान और नन्हे बाबू उर्फ अतीक खान को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

संक्षेप

मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को बताए महिला सुरक्षा के हेल्पलाइन नंबर

बल्दीराय/सुलतानपुर। मिशन शक्ति अभियान के तहत गुरुवार को पीपी इंटर कॉलेज वल्लीपुर में बल्दीराय पुलिस टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं से संवाद कर उन्हें आपात स्थिति में पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया। उपनिरीक्षक राजदेव यादव, महिला कांस्टेबल सविता, महिला कांस्टेबल ममता व कांस्टेबल अंकित साहू ने छात्राओं को 1090, 181, 112, 108, 102, 1076, 1098 और 1930 हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने बताया कि छेड़छाड़, महिला उत्पीड़न, आपात स्थिति, घरेलू हिंसा, बाल अपराध और साइबर अपराध जैसी परिस्थितियों में संबंधित हेल्पलाइन का सहारा लिया जा सकता है।

दो साल से पेड़ हटवाने की गुहार, आखिर मकान पर गिरा महुआ का पेड़

बल्दीराय/सुलतानपुर। तहसील क्षेत्र के दौलतपुर गांव में गुरुवार को उस समय बड़ा हादसा हो गया, जब दरवाजे के सहन में खड़ा विशाल महुआ का पेड़ अचानक मकान के ऊपर धराशायी हो गया। पेड़ की चपेट में आने से महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गनीमत रही कि हादसे में परिवार के अन्य लोग बाल-बाल बच गए। ग्रामीणों के अनुसार, दौलतपुर निवासी ज्योति दूबे पत्नी राकेश चन्द्र दूबे द्वारा दरवाजे के सहन में खड़े महुआ के पेड़ को हटवाने के लिए करीब दो वर्षों से लगातार मांग की जा रही थी। बताया जाता है कि ज्योति दूबे ने थाना, तहसील दिवस सहित वन विभाग के अधिकारियों से कई बार शिकायत कर पेड़ से संभावित खतरे की ओर ध्यान आकृष्ट कराया था। इसके बावजूद पेड़ को हटाने की कार्रवाई नहीं हो सकी। गुरुवार को आखिरकार आशंका सच साबित हुई और महुआ का पेड़ अचानक मकान के ऊपर गिर पड़ा। हादसे में ज्योति दूबे पत्नी राकेश चन्द्र दूबे तथा राकेश चन्द्र पुत्र राममूर्ति दूबे गंभीर रूप से घायल हो गए।

लखीमपुर खीरी में बाढ़ से घिरे कई गांव, सड़कों पर पानी, फसलें डूबी, स्कूल बंद

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर खीरी। बनबसा बैराज से मंगलवार को 1.91 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद लखीमपुर खीरी जिले में शारदा नदी बुधवार शाम खतरे के निशान से 32 सेंटीमीटर ऊपर बहने लगी। जलस्तर बढ़ने से पलिया, भीरा और विजुआ क्षेत्र के कई गांवों में पानी घुस गया। उधर, तिकुनिया क्षेत्र में मोहाना और धौरहरा में घाघरा नदी की कटान तेज हो गई है। निघासन क्षेत्र जसनगर में मोहाना नदी के आए पानी से घिरे कई घरों को खाली कराकर ग्रामीणों को प्रशासन सुरक्षित स्थानों पर भेज रहा है। वहीं अत्यधिक वर्षा, जलभराव एवं अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए बीएसए प्रवीण तिवारी ने जिले में कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों में तीन सितंबर को अवकाश घोषित कर दिया है।

पलिया तहसील की ग्राम पंचायत शाहपुर के मजरा ढकिया, कुंवरपुर, नरायनपुरवा, बझेड़ा समेत कई गांवों में पानी घुस गया। बाढ़ के बीच दिक्कतों से जूझते हुए नरायनपुरवा गांव का परिवार नाव पर खाना बनाते दिखा। कुंवरपुर खुर्द के 30 से 40 घरों में पानी भर गया। कई परिवार छतों पर रहने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि हर साल शारदा के उफान पर गांव में पानी भरता है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया जाता।

दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि लेखपाल और कानूनगो मौके पर पहुंचे, लेकिन समस्याएं सुने बिना लौट गए। राहत सामग्री और खाने-पीने की व्यवस्था भी नहीं की गई। जलभराव के कारण लोग दूषित पानी पीने के लिए मजबूर हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी गांव नहीं पहुंची है। प्रभावित ग्रामीणों में शिवकुमार, श्रवण, विनोद, राकेश, महेश, अमित, विष्णु, राजाराम, अनिल, रामप्रसाद, धर्मेंद्र, गयाप्रसाद, संजय, राजकिशोर, पप्पू, गजराज, दीनबंधु और मुलाई आदि शामिल हैं। एसडीएम पुष्पक ने बताया कि लेखपाल को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभावित क्षेत्र में नाव की व्यवस्था भी कराई जाएगी। ग्रामीणों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बिजुआ ब्लॉक के इन गांवों में बाढ़

बिजुआ ब्लॉक के बझेड़ा, करसौर, गुजरा, कोरियाना, सिंघिया एहतमाली व गैर एहतमाली, बेचेपुरवा, मिस्त्रीपुरवा, ढकिया कलां, रेवतीपुरवा, दौलतापुर, रड़ा देवरिया, रामपुर, जंगल नंबर सात, इमलिया फार्म, कांप एलनगंज समेत कई गांव बाढ़ प्रभावित हैं। कई गांवों में पानी घुस चुका है। ग्रामीणों के सामने आवागमन, पशुओं के चारे और सुरक्षित स्थान पर जाने की समस्या है। ग्रामीणों ने नाव, राहत सामग्री, पशु चारा और सुरक्षित स्थानों की व्यवस्था कराने की मांग की है। तहसीलदार अरुण कुमार ने बताया कि अभी स्थिति सामान्य है। लेखपालों को लगातार मौके पर रहकर रिपोर्ट भेजने के लिए कहा है।

पलिया से नगला मार्ग पर आठ से 10 इंच तक बह रहा पानी

पलिया से नगला जाने वाले रास्ते पर पानी बह रहा है। कर्बला के पास रपटा पुल और खेरना मार्ग पर भी पानी का बहाव है। अतरिया रेलवे क्रॉसिंग के पास मेला जाने वाले रास्ते पर दो जगह एक से डेढ़ फीट पानी बह रहा है। पलिया-भीरा मार्ग पर बोझवा के आगे बने रपटा पुल पर भी पानी का हल्का बहाव है। हालांकि अभी तक बाढ़ का पानी किसी गांव के रिहायशी इलाके तक नहीं पहुंचा है।

मटहिया के पास पहुंचा पानी, नाव बनी सहारा

पलियाकलां की ग्राम पंचायत मटहिया के बोझवा जीरो ठोकर के पास रेलवे लाइन के किनारे बाढ़ का पानी गांव के नजदीक पहुंच गया है। ग्रामीणों को घरों में पानी घुसने की आशंका है। खेतों की ओर जाने और मवेशियों के लिए चारा लाने के लिए ग्रामीण नाव का सहारा ले रहे हैं।

जमुआरी नदी बढ़ी, कई गांवों का संपर्क कटा

फरधान क्षेत्र में दो दिनों से हो रही बारिश से जमुआरी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इससे परसेहराबुजुर्ग, जगन्नाथपुर और शंकरपुर आदि गांवों के लोगों का फरधान आना-जाना बंद हो गया है। ग्रामीणों को दूसरे रास्ते से 10 से 15 किलोमीटर अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है। पुलिया के ऊपर सड़क पर पांच से छह फुट पानी बह रहा है। लखीमपुर मार्ग से सिकटिहा गांव होते हुए परसेहराबुजुर्ग के मुख्य मार्ग पर जमुआरी नदी का पानी बुधवार को पुलिया के ऊपर से बहने लगा। इससे फरधान कॉलेज जाने वाले बच्चों का आवागमन भी बंद हो गया। परसेहराबुजुर्ग निवासी मोबीन अली, तोहीद अली, सिराज अली, अखिलेश कुमार, सुमित तिवारी, सुधीर दिक्षित, दलजीत और जितेंद्र कुमार आदि ने बताया कि पुलिया की सफाई नहीं होती। इसलिए थोड़ी बारिश में ही पानी सड़क पर बहने लगता है।

धौरहरा तहसील क्षेत्र के ब्लॉक ईसानगर के चकदहा गांव में घाघरा नदी का कटान अब घरों के दरवाजे तक पहुंच गया है। बीते 24 घंटे में नदी करीब 20 घरों के बेहद नजदीक पहुंच गई। खतरे को देखते हुए ग्रामीण घरों से सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने लगे हैं। आरोप है कि कटान लगातार बढ़ने के बावजूद तहसील प्रशासन और बाढ़ खंड विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस बचाव कार्य शुरू नहीं किया गया है।

घाघरा नदी अब तक फसलों समेत करीब 160 हेक्टेयर जमीन निगल चुकी है। अब नदी तेजी से आबादी की ओर बढ़ रही है। गांव के सुंदर और श्रीपाल आदि ग्रामीणों ने बताया कि सुंदरलाल, श्रीपाल, रमेश, कुनकुन, भानू, शुभम, सुरेश, रामलखन, सतनाम और छोटू समेत करीब 20 परिवारों के घर कटान की जद में हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि कटान इसी गति से जारी रहा तो घर कभी भी नदी में समा सकते हैं।

पानी बढ़ा तो छूट गए घर, मंडी समिति में कट रही रातें

घरों में पानी घुसा तो जसनगर और नया पिंड के करीब 35 परिवारों को आशियाना छोड़ना पड़ा। बच्चों, सामान और मवेशियों को लेकर परिवार सुरक्षित ठिकानों की तलाश में निकले। फिलहाल ज्यादातर परिवार तिकुनिया मंडी समिति में शरण लिए हुए हैं। कुछ परिवारों ने सरकारी स्कूलों में जगह ली है। ग्रामीणों का कहना है कि राहत के नाम पर उन्हें सिर्फ लंच पैकेट मिल रहे हैं। वह भी नियमित नहीं।

जन्माष्टमी से पहले मुख्यमंत्री योगी ने ब्रजवासियों को दी विकास परियोजनाओं की सौगात, 7240 लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी से एक दिन पहले मथुरा पहुंचकर ब्रजवासियों को विभिन्न विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया और संतों को सम्मानित करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाण पत्र, चेक और चाबियां प्रदान कीं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना-2.0 (शहरी) और मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 7240 लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित की।

कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने एक लाभार्थी को ट्रैक्टर की चाबी प्रदान की। मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ पाने वाले सपेरा संवर्ग के लाभार्थियों समेत जनप्रतिनिधियों, संतों, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के पदाधिकारियों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट किए। इस अवसर पर 1980 बैच की सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी आराधना जौहरी की पुस्तक का विमोचन भी मुख्यमंत्री ने किया और उन्हें बधाई दी।मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्नों को गोद में लेकर दुलार किया। उन्होंने बच्चों के माथे पर चंदन लगाया और उन्हें गुड़िया तथा खिलौने दिए। मुख्यमंत्री ने बच्चों का अन्नप्राशन कराया और उन्हें खीर खिलाई। उन्होंने मातृशक्ति को उपहार तथा फलों की टोकरियां भी प्रदान कीं।मुख्यमंत्री ने स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का लोकार्पण करने के साथ वहां आयोजित कार्यक्रम में संतों को माल्यार्पण, फल और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सांसद एवं फिल्म अभिनेत्री हेमामालिनी ने प्रेक्षागृह में फोटो भी खिंचवाई। प्रेक्षागृह के निर्माण एवं विकास से संबंधित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार करने वाले बटुकों से परिचय प्राप्त किया।कार्यक्रम में हनुमान प्रसाद धानुका विद्यालय, वृंदावन की छात्राओं ने राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया। इसके बाद शिवोऽहं प्रोडक्शन की ओर से 51 कलाकारों ने भारत के विभिन्न राज्यों की नृत्य शैलियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूपों और भावों को मंच पर प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति की कोरियोग्राफी बीएचयू वाराणसी की कथक नृत्यांगना शिवानी मिश्रा ने की।मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का भी अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेने के साथ महिलाओं समेत विभिन्न उत्पाद और सामग्री तैयार करने वाले लोगों से उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली। महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने भी मुख्यमंत्री को अपने कार्यों और उत्पादों के बारे में बताया।मुख्यमंत्री ने मंच से विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता प्रदान की। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत मनोज कुमार को पांच लाख रुपये का चेक दिया गया। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत अर्चना को दर्जी ट्रेड की टूल किट प्रदान की गई। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत तोरन सिंह को 3.20 लाख रुपये का स्वीकृति पत्र मिला। मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत शैलेंद्र सिंह को 11.80 लाख रुपये का स्वीकृति प्रमाण पत्र तथा मुख्यमंत्री स्वदेशी गोसंवर्धन योजना के तहत पुष्पेंद्र सिंह को 80 हजार रुपये का स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।डॉ. प्रिंसेज चक्रवर्ती और डॉ. रजत द्विवेदी को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कन्या विवाह सहायता योजना के तहत मुरारी लाल को 65 हजार रुपये का चेक दिया गया। दुग्ध प्रसंस्करण के लिए राजवीर सिंह को 8.75 लाख रुपये तथा मसाला प्रसंस्करण के लिए सौरभ कुमार वर्मा को 4.12 लाख रुपये से अधिक का चेक प्रदान किया गया।डिजिटल लाइब्रेरी और पुलिस विभाग में उप निरीक्षक पद पर चयन के लिए अजय को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। पायल को लाड़ली वन और वृहद पौधरोपण के लिए प्रशस्ति पत्र मिला। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत श्यामवती और ममता को स्वीकृति पत्र एवं आवास की चाबी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत सुखदेई को पांच लाख रुपये का चेक दिया गया।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित लोगों से संवाद भी किया और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव की जानकारी ली। जन्माष्टमी के अवसर से पहले आयोजित इस कार्यक्रम में विकास परियोजनाओं, धार्मिक-सांस्कृतिक गतिविधियों और जनकल्याणकारी योजनाओं का समन्वित स्वरूप दिखाई दिया।

सड़क दुर्घटना में घायल 31 वर्षीय युवक की उपचार के दौरान मौत, मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दूसरे वाहन से टकराई

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 31 वर्षीय युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राम बाकी पुत्र राधा चरण, निवासी उमरा, थाना गेग, जनपद डीग, राजस्थान के रूप में हुई है। वह लखनऊ स्थित होटल वीनस में कार्य करता था।पुलिस के अनुसार 2 सितंबर 2026 को सुबह करीब 7 बजे सूचना प्राप्त हुई कि पावर हाउस चौराहे के पास एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही आशियाना थाना पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए लोकबंधु अस्पताल ले गई। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गोमतीनगर में मकान से टोटी, शावर सेट और फिटिंग्स चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोमतीनगर थाना पुलिस ने मकान में घुसकर टोटियां, शावर सेट, पंखे, मोटर और अन्य फिटिंग्स चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के साथ मौजूद करीब 17 वर्षीय एक बाल अपचारी को भी नियमानुसार पुलिस संरक्षण में लिया है। दोनों के कब्जे से चोरी की गई विभिन्न सामग्री बरामद की गई है।पुलिस के अनुसार 2 सितंबर 2026 को शैलेश मिश्रा पुत्र डॉ. एसबी मिश्रा, निवासी नोएडा, मूल निवासी विकास खंड, गोमतीनगर, लखनऊ ने गोमतीनगर थाने में लिखित तहरीर देकर बताया था कि उनके मकान में अज्ञात व्यक्ति अथवा व्यक्तियों ने प्रवेश कर वहां लगी टोटियां, शावर सेट तथा अन्य फिटिंग्स को खोलकर चोरी कर लिया है। तहरीर के आधार पर गोमतीनगर थाने में मुकदमा अपराध संख्या 394/2026, धारा 305A/331(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक प्रेम कुमार द्वारा की जा रही थी।

घटना के शीघ्र खुलासे और चोरी किए गए सामान की बरामदगी के लिए गोमतीनगर थाना पुलिस टीम ने लगातार सुरागरसी-पतारसी की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा उपलब्ध अन्य साक्ष्यों को एकत्र कर संदिग्धों की तलाश शुरू की।इसी क्रम में 3 सितंबर 2026 को उपनिरीक्षक प्रेम कुमार, उपनिरीक्षक जसीम रजा, हेड कांस्टेबल बब्बन यादव और कांस्टेबल सुनील यादव क्षेत्र में गश्त एवं तलाश में मामूर थे।

जनसुनवाई में ए.के. शर्मा ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने 3 सितंबर को अपने आवास पर जनसुनवाई कर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई के दौरान लोगों ने स्थानांतरण, विद्युत बिल में सुधार, विद्युत कनेक्शन, विद्युत क्षमता वृद्धि, पेयजल, आवास, जलभराव और सड़क निर्माण सहित विभिन्न समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया।ए.के. शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।ऊर्जा विभाग से संबंधित शिकायतों को लेकर मंत्री ने अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को विद्युत कनेक्शन, बिल सुधार, क्षमता वृद्धि और अन्य विद्युत सेवाओं के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए, ताकि लोगों को समय से राहत मिल सके।मंत्री ने नगर विकास विभाग द्वारा विद्युत विभाग को नगरीय निकायों में विद्युतीकरण के लिए प्रेषित एवं आवंटित धनराशि का पूरा विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवंटित धनराशि के सापेक्ष कराए गए कार्यों, शेष कार्यों और उनकी वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत की जाए। निर्धारित कार्यों में आवंटित धनराशि का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए।ए.के. शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका वास्तविक लाभ संबंधित व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी न हो।उन्होंने कहा कि फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। प्रत्येक शिकायत पर जिम्मेदारी तय करते हुए उसका प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए और जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों की प्रगति की नियमित निगरानी की जाए।

संक्षेप

वृद्ध एवं अशक्त व्यक्तियों के आवासीय गृहों के लिए समाज कल्याण विभाग को 15 करोड़ रुपये मंजूर

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्ध एवं अशक्त व्यक्तियों के लिए आवासीय गृह संचालित करने हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता योजना के अंतर्गत द्वितीय किश्त के रूप में 15 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस संबंध में शासनादेश जारी कर उसकी प्रति समाज कल्याण विभाग के निदेशक को प्रेषित कर दी गई है।शासनादेश के अनुसार योजना के लिए वित्तीय वर्ष में कुल 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में 15 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं। अब द्वितीय किश्त के रूप में 15 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।शासन ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृत धनराशि के उपयोग के बाद व्यय विवरण के साथ उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। धनराशि के व्यय में उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल में निर्धारित शर्तों का पालन सुनिश्चित करना होगा।इसके साथ ही स्वीकृत धनराशि के उपयोग के दौरान वित्तीय औचित्य के निर्धारित मानकों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

गोरखपुर में सड़क और नाली निर्माण के लिए त्वरित आर्थिक विकास योजना से 2 करोड़ 97 हजार रुपये मंजूर

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत जनपद गोरखपुर में विकास कार्यों के लिए कुल 2 करोड़ 97 हजार रुपये की धनराशि मंजूर की है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर उसकी प्रति संबंधित जनपद के जिलाधिकारी को प्रेषित कर दी गई है।शासनादेश के अनुसार स्वीकृत धनराशि से गोरखपुर के वार्ड संख्या-41 माधोपुर में सूरजकुंड पावर हाउस से प्राथमिक पाठशाला माधोपुर तक विभिन्न गलियों में सीसी सड़क और आरसीसी नाली का निर्माण कराया जाएगा।सरकार के इस निर्णय से संबंधित क्षेत्र की गलियों में आवागमन की सुविधा बेहतर होने के साथ जल निकासी की व्यवस्था भी मजबूत होने की उम्मीद है। स्वीकृत धनराशि से निर्धारित निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

संत कबीर नगर की छह विकास परियोजनाओं के लिए 88.71 लाख रुपये मंजूर

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूर्वांचल विकास निधि (राज्यांश) योजना के अंतर्गत जनपद संत कबीर नगर की छह परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए कुल 88 लाख 71 हजार 599 रुपये की धनराशि मंजूर की है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर उसकी प्रति संबंधित जनपद के जिलाधिकारी को प्रेषित कर दी गई है।शासनादेश के अनुसार विकास खंड सांथा की ग्राम पंचायत अमरहा के लिए 33.1034 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा जोरा रेलवे क्रासिंग के लिए 15.855 लाख रुपये, ग्राम दलेलगंज के लिए 11.784 लाख रुपये, ग्राम सेमरा के लिए 6.87 लाख रुपये तथा ग्राम मंजरिया के लिए 7.66 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। इसी क्रम में विकास खंड सेमरियावां की ग्राम पंचायत पैली खास के लिए 13.43 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस प्रकार जनपद की छह परियोजनाओं के लिए कुल 88 लाख 71 हजार 599 रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई गई है।सरकार द्वारा स्वीकृत धनराशि से निर्धारित विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन कराया जाएगा। शासन ने संबंधित अधिकारियों को स्वीकृत धनराशि का निर्धारित कार्यों में नियमानुसार उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म और आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म, आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने, शारीरिक एवं मानसिक शोषण तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में 23 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।पुलिस के अनुसार 2 सितंबर 2026 को पीड़िता के पिता ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उनकी करीब 17 वर्षीय पुत्री की आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया गया तथा उसके साथ शारीरिक और मानसिक शोषण किया गया। पीड़िता को जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप भी लगाया गया।मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मुकदमा अपराध संख्या 601/2026 दर्ज किया। मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2), 64(1), 351(3), 115(2), पाक्सो अधिनियम की धारा 3/4 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 ई के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों के साथ-साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। लगातार प्रयास के बाद पुलिस टीम ने 3 सितंबर 2026 को मामले में नामजद आरोपी शिवम रावत पुत्र रामसनेही रावत, उम्र करीब 23 वर्ष, निवासी बुद्धू खेड़ा, माजरा बरौना, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के मुताबिक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी की गई और उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले में पुलिस द्वारा आगे की विवेचनात्मक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना सुशांत गोल्फ सिटी, कमिश्नरेट लखनऊ की पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम और ऐसे मामलों में आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई का अभियान लगातार जारी है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर रिजर्व पुलिस लाइन्स में कार्यक्रम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन्स, लखनऊ परिसर में 4 सितंबर 2026 को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं जन्मोत्सव झांकी दर्शन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को देखते हुए यातायात पुलिस द्वारा 4 सितंबर को दोपहर 3 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक आवश्यकतानुसार यातायात डायवर्जन व्यवस्था लागू की जाएगी।यातायात पुलिस के अनुसार हनुमान सेतु मंदिर तिराहा से रिजर्व पुलिस लाइन्स और आईटी चौराहा की ओर जाने वाले सामान्य यातायात को प्रतिबंधित किया जाएगा। इस मार्ग से आने वाले वाहन नदवा बंधा मोड़, डालीगंज इक्का-तांगा स्टैंड चौराहा होते हुए अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।इसी प्रकार आईटी चौराहा से रिजर्व पुलिस लाइन्स और हनुमान सेतु मंदिर तिराहा की ओर जाने वाले सामान्य यातायात को भी निर्धारित अवधि में नहीं जाने दिया जाएगा। इस दिशा का यातायात डालीगंज इक्का-तांगा स्टैंड चौराहा अथवा निशातगंज होते हुए अपने गंतव्य तक जा सकेगा।निशातगंज ओवरब्रिज ढाल, आईटी साइड से आईटी चौराहा की ओर जाने वाले सामान्य यातायात पर भी रोक रहेगी। इस मार्ग से आने वाले वाहन आंतरिक लेखा निदेशालय और हैदरगंज चौकी होते हुए अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि जन्माष्टमी कार्यक्रम के दौरान निर्धारित डायवर्जन मार्गों का प्रयोग करें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। इसके लिए आवश्यकतानुसार मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों से संपर्क किया जा सकता है।किसी भी यातायात संबंधी आवश्यकता या सहायता के लिए ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क किया जा सकता है।

एलडीए संपत्ति के फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेचने वाले गिरोह का वांछित आरोपी चार साल बाद गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। संपत्तियों के फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अवैध रूप से बिक्री करने वाले गिरोह के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में क्राइम ब्रांच लखनऊ की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। टीम ने एलडीए की संपत्ति के फर्जी दस्तावेज तैयार कर बिक्री करने के मामले में लगभग चार वर्षों से फरार चल रहे वांछित अभियुक्त सचिन सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त को 1 सितंबर 2026 को शाम 5:20 बजे छोटा भरवारा स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास, गोमतीनगर विस्तार से गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त अपराध अनिल कुमार यादव और अपर पुलिस उपायुक्त अपराध किरन यादव के कुशल पर्यवेक्षण में की गई।

मामला गोमतीनगर थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 805/2022 से संबंधित है। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420, 467, 468, 471 और 120बी के तहत कार्रवाई की गई थी। प्रकरण में एलडीए के विराज खण्ड, गोमतीनगर स्थित भूखंड संख्या 2/81, क्षेत्रफल 1250 वर्गफीट के फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर संपत्ति को अवैध रूप से बेचने का मामला सामने आया था।विवेचना के दौरान पता चला कि एलडीए के पोर्टल पर उक्त संपत्ति से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कराए गए और उन्हें शिवानी रस्तोगी के नाम से तैयार किया गया। इसके बाद इन्हीं कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर संपत्ति वैष्णवी सोनी को बेच दी गई। बाद में वैष्णवी सोनी ने उक्त संपत्ति को 35 लाख रुपये में रंजना देवी को विक्रय कर दिया।पुलिस के मुताबिक बिक्री से प्राप्त धनराशि वैष्णवी सोनी के बैंक खाते में आई थी। इस धनराशि के लाभांश का एक हिस्सा अभियुक्त सचिन सिंह ने अपने बैंक खाते में प्राप्त कर उसका उपयोग किया। इसी वित्तीय लेन-देन के आधार पर विवेचना में सचिन सिंह की आपराधिक साजिश में संलिप्तता सामने आई।मामले में नाम सामने आने के बाद सचिन सिंह लगातार गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश और अन्य कार्रवाई कर रही थी। विवेचना में यह भी सामने आया कि सचिन सिंह विभूतिखण्ड, गोमतीनगर स्थित होटल जेएमडी इन का संचालन करता था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि इसी स्थान पर सह-अभियुक्तों के साथ फर्जी दस्तावेज तैयार करने की योजना बनाई जाती थी।पुलिस कार्रवाई की भनक लगने के बाद सचिन सिंह फरार हो गया था। वर्तमान में उसके जनपद ललितपुर में डैम का ठेका लेकर मत्स्य पालन का कारोबार करने की जानकारी सामने आई। लगातार की जा रही पुलिस कार्रवाई और तकनीकी निगरानी के माध्यम से उसकी गतिविधियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई गई। इसके आधार पर पुलिस टीम ने उसकी लोकेशन का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार इस प्रकरण में कुल पांच अभियुक्तों की संलिप्तता सामने आई है।

मारपीट और एससी-एसटी एक्ट के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत महिगवां थाना पुलिस ने मारपीट, धमकी और एससी-एसटी एक्ट से संबंधित मामले में लंबे समय से वांछित चल रहे 25 वर्षीय अभियुक्त योगेश सिंह उर्फ शिवम सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से संबंधित मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार महिगवां थाने में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 129/2025 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 115(2), 352, 351(3), 191(2) तथा एससी-एसटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान योगेश सिंह उर्फ शिवम सिंह पुत्र रघुनाथ सिंह, निवासी संसारपुर, मजरा फतेहपुर खमरई, थाना महिगवां, लखनऊ का नाम प्रकाश में आया था। अभियुक्त घटना के बाद से गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था।मामले के संबंध में 1 अक्टूबर 2025 को वादी सुभाष कुमार गौतम पुत्र मुन्नूलाल गौतम, निवासी बराखेमपुर, लखनऊ ने महिगवां थाने में लिखित तहरीर दी थी। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि विपक्षीगण उनके घर पहुंचे और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उनके पिता मुन्नूलाल के साथ लाठी-डण्डों से मारपीट की। मारपीट में उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी दिए जाने की बात भी तहरीर में कही गई थी।पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान योगेश सिंह उर्फ शिवम सिंह की संलिप्तता सामने आने के बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी और सुरागरसी-पतारसी की जा रही थी।इसी क्रम में 3 सितंबर 2026 को महिगवां थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमे में वांछित अभियुक्त योगेश सिंह उर्फ शिवम सिंह महिगवां मोड़ के पास मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। पुलिस टीम को देखकर अभियुक्त ने मौके से निकलने का प्रयास किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त को उसके विरुद्ध दर्ज मुकदमे एवं वैधानिक प्रक्रिया से अवगत कराते हुए सुबह करीब 10:30 बजे नियमानुसार गिरफ्तार किया गया।पुलिस की पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि मुकदमा दर्ज होने के बाद वह गिरफ्तारी से बचने के उद्देश्य से इधर-उधर छिपकर रह रहा था।

पीएम फसल बीमा योजना, हर किसान के लिए किफायती फसल बीमा

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) पूरे देश में सूखे, बाढ़, चक्रवात, ओलावृष्टि, कीटों, बीमारियों, बुआई न हो पाने, स्थानीय आपदाओं, जलभराव से होने वाले नुकसान, बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और फसल कटाई के बाद होने वाले खास नुकसानों के खिलाफ व्यापक कवरेज देती है। 2026–27 के लिए ?12,200 करोड़ के आवंटन के साथ, पीएमएफबीवाई किसानों की मुश्किलों से निपटने की क्षमता को मजबूत बनाने, उनकी आजीविका की रक्षा करने, आय को स्थिर करने और जलवायु-अनुकूल खेती को बढ़ावा देने का काम जारी रखे हुए है। पिछले 10 वर्षों में, खरीफ 2016 में योजना की शुरुआत से लेकर रबी 2025-26 तक, 92.46 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों का बीमा किया गया है और 26.33 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों के लिए ?2.06 लाख करोड़ से ज्यादा के दावों का भुगतान किया गया है। तकनीक पर आधारित पहलों, जैसे कि 'प्रौद्योगिकी आधारित उपज आकलन प्रणाली' (वाईईएस-टेक) और 'वेदर इंफॉर्मेशन नेटवर्क एंड डेटा सिस्टम' (डब्ल्यूआईएनडीएस) को शामिल करने से दावों का निपटारा तेज, निष्पक्ष और अधिक पारदर्शी हो गया है, जिससे यह योजना और भी मजबूत हुई है।

फसल बीमा किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, खराब मौसम, कीटों और बीमारियों से होने वाले फसल के नुकसान से बचाता है। समय पर मिलने वाला मुआवजा किसानों को आय में अचानक आई कमी से निपटने, नुकसान की भरपाई करने, कर्ज चुकाने और अगली फसल के मौसम में निवेश करने में मदद करता है। यह खेती की क्षमता को मजबूत करता है, आजीविका की रक्षा करता है और अनिश्चित स्थितियों में भी कृषि उत्पादन को जारी रखने में मदद करता है। 18 फरवरी 2016 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) शुरू की गई थी ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाया जा सके। इसमें बुवाई से पहले के जोखिम (जैसे बुवाई न हो पाना या बुवाई का विफल होना), मौसम के बीच में बड़े पैमाने पर खराब हालात, ओलावृष्टि, बाढ़, भूस्खलन जैसी स्थानीय आपदाएं (अलग-अलग खेतों के स्तर पर), और फसल कटाई के बाद चक्रवात, बेमौसम बारिश और अन्य तय खतरों से होने वाले नुकसान शामिल हैं। ज्यादा से ज्यादा किसानों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रीमियम की दरें कम और किफायती रखी गई हैं। सरकार ने केंद्रीय बजट 2026–27 में पीएमएफबीवाई के लिए ?12,200 करोड़ आवंटित किए हैं, जो फसल बीमा और किसानों को सुरक्षा देने के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

असम के नागांव जिले के चनखला गांव के रहने वाले छोटे किसान अनवर हुसैन अपने परिवार की आजीविका के लिए पूरी तरह खेती पर निर्भर हैं। जब भारी बारिश से उनकी फसल को भारी नुकसान पहुंचा, तो उन्हें अपने कर्ज चुकाने और अगली बुआई के लिए पैसे जुटाने को लेकर चिंता सताने लगी। अच्छी बात यह थी कि अनवर ने सिर्फ ?100 का मामूली प्रीमियम देकर 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' (पीएमएफबीवाई) में अपना पंजीकरण कराया हुआ था। फसल के नुकसान का आकलन होने के बाद, उन्हें इस योजना के तहत ?50,600 का मुआवज़ा मिला। समय पर मिली इस आर्थिक मदद से उन्हें नुकसान से उबरने, अपना कुछ कज़र् चुकाने और अगले सीज़न के लिए खेती का जरूरी सामान खरीदने में मदद मिली। इस मदद की वजह से, आर्थिक तंगी में फंसने के बजाय अनवर नए आत्मविश्वास के साथ खेती जारी रख पाए। आज, वह अपने गांव के दूसरे किसानों को भी अपनी फसल का बीमा कराने के लिए जोरदार तरीके से प्रोत्साहित करते हैं और कहते हैं कि पीएमएफबीवाई मुश्किल समय में एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। पीएमएफबीवाई फसल के नुकसान के खिलाफ आर्थिक सुरक्षा देता है और किसानों की आय को स्थिर करने में मदद करता है। यह आधुनिक खेती के तरीकों, फसल विविधीकरण और उत्पादन से जुड़े जोखिमों का सामना करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है। पीएमएफबीवाई तय पात्रता शर्तों के आधार पर किसानों (जिसमें किराए पर खेती करने वाले और बटाईदार किसान भी शामिल हैं) को व्यापक फसल बीमा कवरेज देता है। किसानों के पास बीमा योग्य हित, जमीन के वैध दस्तावेज़ या पट्टे के समझौते या राज्य-विशेष की पहले से तय जरूरतों के अनुसार बुवाई के प्रमाण-पत्र होने चाहिए और उन्हें तय समय-सीमा के भीतर आवेदन करना होगा। जोखिम का व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए, पीएमएफबीवाई खेती से जुड़े सभी तरह के किसानों—चाहे उन्होंने ऋण लिया हो या नहीं—को कवर करता है। गैर-ऋणी किसान वे होते हैं जिन्होंने फसल के लिए कोई ऋण नहीं लिया है या जिनके पास नॉन-स्टैंडर्ड किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से जुड़े ऋण हैं।

देश की बाकी आबादी को भी सोचने मजबूर किया

देश के बदलते राजनीतिक विमर्श को दो हिस्सों में बांट कर देखने की जरुरत है। पहला हिस्सा तो वह है, जो जंतर मंतर पर आंदोलन के दौरान युवाओं के आक्रोश में अभिव्यक्त हुआ।

अजीत द्विवेदी

चुनावी राजनीति का विमर्श बदल रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी भले राजनीतिक दल नहीं बनी है और बने तो हो सकता है कि कामयाब नहीं हो पाए। लेकिन उसने देश के राजनीतिक विमर्श को बदल दिया है। जंतर मंतर पर सीजेपी के आंदोलन ने एक नए विमर्श को जन्म दिया है, जिसमें एजुकेशन, एम्प्लायमेंट और एनर्जी यानी 'ट्रिपल ई केंद्र में हैं। इससे पहले राजनीति का विमर्श जाति, धर्म और क्षेत्रवाद के इर्द गिर्द घूमता था। उसमें भ्रष्टाचार और विकास का मुद्दा भी जरुरत के हिसाब से शामिल होता था। लेकिन मुख्य रूप से सामाजिक समीकरण, धार्मिक ध्रुवीकरण और क्षेत्रीय भावनाओं या उप राष्ट्रीयता की भावना के इर्द गिर्द चुनाव का ताना बाना बुना जाता था। इसी आधार पर मुद्दे तय किए जाते थे, उम्मीदवारों का चयन होता था और नेताओं के भाषण होते थे। अब इसमें बदलाव आ रहा है। विमर्श के नए मुद्दे आ रहे हैं और नेताओं के भाषण बदल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपवाद हैं, जिनका भाषण अब भी बाबर, औरंगजेब, सालार गाजी या व्यापक रूप से मुस्लिम विरोध के इर्द गिर्द होता है।

बहरहाल, देश के बदलते राजनीतिक विमर्श को दो हिस्सों में बांट कर देखने की जरुरत है। पहला हिस्सा तो वह है, जो जंतर मंतर पर आंदोलन के दौरान युवाओं के आक्रोश में अभिव्यक्त हुआ। युवा जिस अंदाज में अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे और बिना किसी शर्मिंदगी के प्रधानमंत्री तक को निशाना बना रहे थे वह एक पहलू है। उससे नेताओं और पार्टियों को लगा और यह सही भी है कि एक नई पीढ़ी अपनी खास पहचान के साथ राजनीतिक क्षितिज पर उभरी है। उसने जाति, धर्म, क्षेत्र और यहां तक कि लिंग की पहचान छोड़ दी है। उसे 'जेन जी की पहचान दी गई और उसे एड्रेस करने की कोशिश शुरू हुई। मुश्किल यह है कि ज्यादातर नेता उनके आचार, व्यवहार, भाषा और सरोकार को नहीं समझते हैं। इसलिए उन्होंने 'जेन जी को समझने का अपना एक स्टीरियोटाइप विकसित किया और उन्हें उसी से देखना शुरू किया।

अगर नेता अपने परिवार में देखते और अपने बच्चों के व्यवहार से 'जेन जी को समझने का प्रयास करते तो उनको पता चलता कि वे 'जेन जी को लुभाने के लिए वे जो कर रहे हैं वह कितना पैथेटिक और ऑफ द मार्क है। 'जेन जी को लुभाने के लिए नेता जो प्रयास कर रहे हैं उससे वे एक पूरी पीढ़ी को शर्मिंदा कर रहे हैं और खुद एक मूर्ख के रूप में उनके सामने प्रस्तुत हो रहे हैं। इसलिए उनको यह प्रयास बंद करना चाहिए और इस पीढ़ी की ओर से उठाए जा रहे मुद्दे या उनके सरोकारों को समझना चाहिए। यही बदलते राजनीतिक विमर्श का दूसरा पहलू है। वह मुद्दों और सरोकारों से जुड़ा है। वह सरोकार 'ट्रिपल ई का है। तभी एजुकेशन, एम्प्लायमेंट और एनर्जी पर युवाओं व देश के लोगों के सरोकारों को समझने की जरुरत है। दिल्ली से लेकर झारखंड और उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र व बिहार तक ये ही मुद्दे अभी विमर्श का मुख्य विषय हैं। इसमें 'जेन जी और 'जेन अल्फा दोनों शामिल हैं। उनको अच्छी शिक्षा चाहिए, जिसके लिए वे दबाव डाल रहे हैं। इससे पहले बच्चों ने यानी छात्रों ने यह मुद्दा हाथ में नहीं लिया था। शिक्षा को वे अभिभावकों और शिक्षकों पर छोड़े हुए थे। स्कूल में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, शिक्षक की कमी है, समय पर शिक्षक नहीं आते हैं, स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ाई का कैलेंडर फॉलो नहीं किया जाता है, समय पर परीक्षा नहीं होती है, परीक्षा होती है तो उसमें गड़बड़ी हो जाती है, इन तमाम मुद्दों पर छात्र आंदोलित नहीं होते थे। किन अब तस्वीर बदल गई है। अब स्कूली बच्चे भी ये मुद्दे उठा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि वे अपने अभिभावकों के सामने नहीं, बल्कि सड़क पर उतर कर ये मुद्दे उठा रहे हैं। मजबूरी में नेताओं और राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर बात करनी पड़ रही है। अभी तो सिर्फ बात हो रही है और आश्वासन दिए जा रहे हैं। लेकिन आने वाले दिनों में आश्वासनों को पूरा भी करना होगा।

दूसरा सरोकार एम्प्लायमेंट यानी नौकरी और रोजगार का है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेहतर जीवन स्तर के लिए या कमजोर आर्थिक तबके के लोगों के सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था में ऊपर आने के लिए सम्मानजक नौकरी से बेहतर कोई और तरीका नहीं है। परंतु पिछले कुछ समय से अलग अलग कारणों से नौकरी और रोजगार दोनों में लगातार कमी होती जा रही है। इसका नतीजा नीति आयोग की रिपोर्ट में दिखाई दिया, जिसमें कहा गया है कि 15 से 29 साल की उम्र के 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई नौकरी कर रहे हैं। यानी कुछ भी नहीं कर रहे हैं। इन 8.7 करोड़ युवाओं के अलावा इसी उम्र वर्ग के इससे कम से कम दोगुने युवा पढ़ाई कर रहे हैं और नौकरी व रोजगार हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। वे भी अब तक नौकरी आने का इंतजार करते थे और पेपर लीक या परीक्षा में गड़बड़ी या परीक्षा में धांधली या परीक्षा रद्द होने को नियति मान कर चुप बैठे रहते थे। लेकिन अब उनकी चुप्पी टूटी है। जंतर मंतर के प्रदर्शन ने उनको रास्ता दिखाया है। वे नौकरी के हर विज्ञापन को बारीकी से देख रहे हैं। उसकी कमियां सामने ला रहे हैं। सरकारों पर दबाव बना रहे हैं कि वह नौकरी या दाखिले के लिए होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करें और उसका पूरी तरह से पालन करें। वैकेंसी बढ़ाने से लेकर परीक्षा कराने के तरीके पर छात्र सरकारों से बात कर रहे हैं। एक आंकड़े के मुताबिक पिछले एक दशक में केंद्र सरकार में खाली पदों की संख्या सवा चार लाख से दोगुनी होकर साढ़े आठ लाख हो गई है। ऐसी ही स्थिति राज्य सरकारों की भी है। युवा अब इसको मुद्दा बना रहे हैं।

तीसरा सरोकार एनर्जी का है। शिक्षा और नौकरी तो आपस में जुड़े हुए हैं लेकिन एनर्जी उससे बिल्कुल अलग है। लेकिन यह भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा इसलिए बना है क्योंकि हाल की कई घटनाओं ने ऊर्जा सुरक्षा के मामले में भारत की कमजोरियों को जाहिर किया है। ईरान और अमेरिका की जंग ने आपूर्ति के संकट को उजागर किया तो इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को होने वाले नुकसान की जानकारी भी लोगों को मिली और इथेनॉल मिश्रण से खाद्यान्न संकट का जो दौर आएगा, उसकी भी एक झलक लोगों को मिली।

अगर शिक्षा व नौकरी ने युवाओं को आंदोलित किया तो ऊर्जा की बढ़ती कीमत, आपूर्ति के संकट, गाड़ियों के इंजन की परेशानी, खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमत और संभावित खाद्यान्न संकट ने युवाओं के साथ साथ देश की बाकी आबादी को भी सोचने पर मजबूर किया। इसका असर यह हुआ है कि सरकारें भी स्वच्छ ऊर्जा को लेकर गंभीर हुई हैं तो इथेनॉल मिश्रण को कम करने पर भी विचार हो रहा है। अगर ये सरोकार लंबे समय तक राजनीतिक विमर्श में टिकते हैं और चुनाव के नतीजों को प्रभावित करते हैं तो देश में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

व्यंग्य

साख में भी सेंध लगेगी

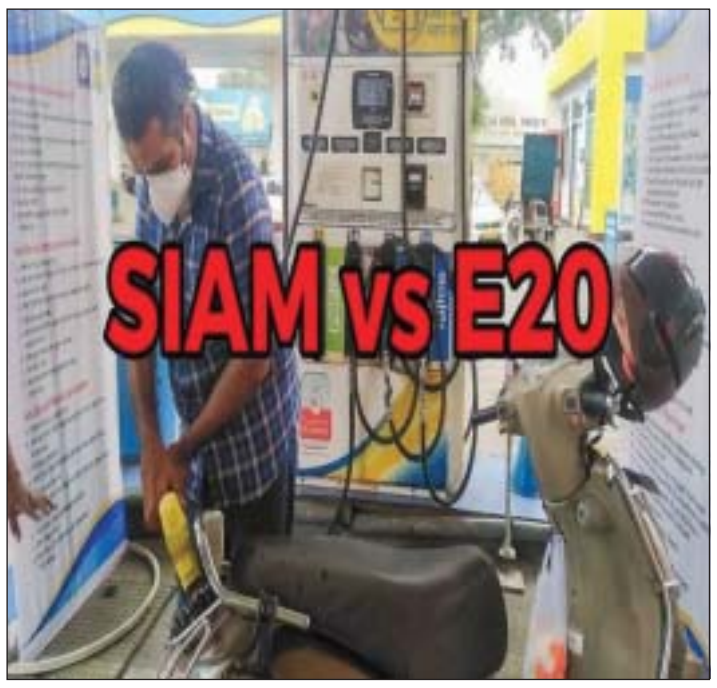

सियाम के पलटने से सिर्फ उसकी ही संदिग्ध नहीं हुई है, बल्कि सरकार पर भी सवाल उठे हैं। सबसे प्रमुख प्रश्न है कि क्या सियाम पर सरकार ने दबाव डाला, जैसाकि आरोप लग रहे हैं?

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबिल मैनुफैक्चरर्स (सियाम) ने पहले सरकार को पत्र लिखकर शिकायत की कि ई-20 (20 प्रतिशत इथॉनोल मिले) पेट्रोल से कारें खराब हो रही हैं। लेकिन अब सियाम ने यह कहते हुए वो पत्र वापस ले लिया है कि किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले अभी और जानकारी की जरूरत है! ई-20 ईंधन को बड़ा सियासी मुद्दा बना चुके आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि कार कंपनियों के इस संगठन ने सरकार के दबाव में आकर पत्र वापस लिया। इस मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरे सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने सियाम के दोनों पत्रों में मौजूद 'खतरनाक' अंतर्विरोधों का उल्लेख करते हुए कहा है कि दबाव में हुए इस रुख परिवर्तन से भारतीय ऑटो उद्योग की प्रमुख संस्था की साख नष्ट हुई है।

अपने पहले पत्र में सियाम ने लिखा था- 'कारों में क्लोराइड प्रेसर के कारण पाट-पुर्जों को बदलने के मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। ऐसा होने का संबंध ईंधन से पाया गया है।' बहरहाल, अपने इस ऑब्जर्वेशन से भले सियाम पलट गया हो, लेकिन इससे ई-20 से वाहनों हो रहे नुकसान, वाहन मेनटेनेंस खर्च में बढ़ोतरी, और माइलेज घटने जैसे वाहन उपभोक्ताओं के अनुभवों पर शायद ही कोई फर्क पड़े। दरअसल, बुधवार को जब सियाम के पलटने की खबर आई, लगभग उसी समय दिल्ली टैक्सी, टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एंड टुअर ऑपरेटर एसोसिएशन के दर्जनों सदस्य राष्ट्रीय राजधानी में सड़क पर उतर कर ईंधन में मिलावट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।

स्पष्टतः ये मुद्दा अब उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जिसे केंद्र दरकिनार नहीं कर सकता है। यह अफसोसनाक है कि उसने इस मामले में भी धुआंधार प्रचार से शिकायत पर परदा डालने और तथ्यों को छिपाने का नजरिया अपनाया है। मगर ऐसे तरीके अब कारगर होते नहीं दिखते। असल में सियाम के पलटने से सिर्फ उसकी ही संदिग्ध नहीं हुई है, बल्कि सरकार पर भी सवाल उठे हैं। सबसे प्रमुख प्रश्न है कि क्या सियाम पर सरकार ने दबाव डाला, जैसाकि आरोप लग रहे हैं? अगर ये संदेह मजबूत हुआ, तो उससे सरकार की साख में भी सेंध लगेगी।

ब्लॉग

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

ललित गर्ग

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है।

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं।

आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है।

भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके। आज दुनिया चीन के विकल्प के रूप में विभिन्न उत्पादन केंद्रों की तलाश कर रही है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसी विशिष्ट ताकतें हैं। यदि भारत विनिर्माण, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो वह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में कहीं अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। 2047 का विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देशवासियों की सामूहिक आकांक्षा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर इस यात्रा में एक उत्साहजनक पड़ाव है, मंजिल नहीं। भारत को लगातार उच्च विकास दर, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और स्थिर आर्थिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा।

भारत की आर्थिक कहानी अब केवल आंकड़ों की कहानी नहीं रह गई है। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की कहानी बन रही है। दुनिया जब युद्ध और आर्थिक अस्थिरता की छाया में अपनी दिशा तलाश रही है, तब भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन उसे एक भरोसेमंद और संभावनाशील शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वैश्विक संकटों के बीच भी उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही आर्थिक नीतियों और योजनाओं को अब अगले चरण में अधिक रोजगार, अधिक निवेश, अधिक उत्पादन और अधिक समान अवसरों से जोड़ना होगा। भारत के आर्थिक आकाश पर उगता यह उजाला तभी स्थायी प्रकाश बनेगा, जब विकास की रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यही 2047 के विकसित भारत की वास्तविक कसौटी होगी और यही आर्थिक शक्ति को जनशक्ति में बदलने का मार्ग भी।

राम मंदिर ट्रस्ट में पहली बार महिला सदस्य

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी प्रकरण के बाद मंदिर से जुड़ी प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक स्तर पर बदलाव कर दिया गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने लीडरशिप में कई अहम बदलाव किए हैं। ट्रस्ट ने एक रिटायर्ड एयर मार्शल को अपना पहला चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) नियुक्त किया। साथ ही 3 नए लोगों को ट्रस्टी बनाया गया है जिसमें एक महिला को भी रखा गया है।

ट्रस्ट की कल बुधवार को 2 बैठक हुई। बैठक के दौरान ट्रस्ट ने पूर्व सैन्य अफसर जितेंद्र मिश्रा को 3 साल के कार्यकाल के लिए अपना पहला CEO नियुक्त किया। ट्रस्ट के मौजूदा कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी को पूर्णकालिक महासचिव के पद पर प्रमोट कर दिया गया जबकि दिल्ली के प्रतिष्ठित बिजनेसमैन महेश भागचंदका को नया कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

राम मंदिर से जुड़े ट्रस्ट में यह रीस्ट्रक्चरिंग, मंदिर के कथित तौर पर चंदा चोरी मामले के तूल पकड़ने, विवाद के बीच पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे के कुछ हफ्ते बाद हुई है। विवाद से घिरने के बाद ट्रस्ट ने बड़े स्तर पर बदलाव लाने का ऐलान किया। ऐसे में ट्रस्ट ने मंदिर की सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स, फाइनेंस और रोजमर्रा के कामकाज को लेकर प्रोफेशनल मैनेजमेंट स्ट्रक्चर तैयार करने का फैसला लिया था।

जितेंद्र मिश्रा: वायुसेना, ऑपरेशन सिंदूर के अनुभवी अफसर

ट्रस्ट ने अपमे पहले CEO के लिए जितेंद्र मिश्रा का चयन किया है। मिश्रा एक पूर्व फाइटर कॉम्बैट लीडर और एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट हैं। वह इसी साल 30 अप्रैल को वेस्टर्न एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के पद से रिटायर हुए थे। वे पिछले साल चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के सीनियर प्लानर्स में से एक थे और पाकिस्तान के साथ 4 दिन तक चले जारी जंग के दौरान असाधारण सेवा के लिए उन्हें मेडल से नवाजा भी गया था।

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के भोपतपुरा गांव के रहने वाले जितेंद्र मिश्रा अपनी नई भूमिका में ट्रस्ट के रोजमर्रा के कामकाज की देखरेख करेंगे। उनकी नियुक्ति ट्रस्ट के कामकाज में बहुत बड़ा बदलाव है, क्योंकि कुछ ऑपरेशनल जिम्मेदारियां पूरी तरह से ट्रस्टी-संचालित सिस्टम से हटकर प्रोफेशनल मैनेजमेंट की ओर शिफ्ट की जा रही है। उन्हें मंदिर परिसर की सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स, भीड़ प्रबंधन और ट्रस्ट के करोड़ों के फाइनेंस की देखरेख का जिम्मा दिए जाने की उम्मीद है।

महेश भागचंदका: दिल्ली के बिजनेसमैन, VHP से नाता

M2K ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन महेश भागचंदका को ट्रस्ट का नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने गिरी की जगह ली है, जो ट्रस्ट के गठन के समय से ही इस पद पर थे। दिल्ली से जुड़े बिजनेसमैन भागचंदका अशोक सिंघल फाउंडेशन के प्रमुख भी हैं और विश्व हिंदू परिषद (VHP) के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल से करीबी का नाता रहा है।

भागचंदका की नियुक्ति के बारे में पता चलने पर, VHP के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने इस फैसले का स्वागत किया और उन्हें राम जन्मभूमि आंदोलन का "अग्रणी सिपाही" बताया। इनके पास अब ट्रस्ट से जुड़े वित्तीय मामलों की जिम्मेदारी होगी। यह ट्रस्ट मंदिर के निर्माण और प्रबंधन की देखरेख करता है और बड़े पैमाने पर मिलने वाले दान का हिसाब देखती है।

मदन मोहन पांडे: राम जन्मभूमि केस लड़ने वाले वकील

ट्रस्ट ने बतौर ट्रस्टी सदस्य उत्तर प्रदेश के पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता (एडिशनल एडवोकेट जनरल) मदन मोहन पांडे को भी शामिल किया है। अयोध्या के रहने वाले 74 साल के वरिष्ठ वकील पांडे ने राम जन्मभूमि मालिकाना हक विवाद में राम लला विराजमान और दिवंगत महंत रामचंद्र परमहंस दास के लिए अपना पक्ष रखा था।

मदन मोहन पांडे ने 1990 के दशक में वकालत से अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही उन्होंने साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने तक इस कानूनी लड़ाई में शामिल रहे।

निर्मला यादव: पूर्व प्रिंसिपल और पहली महिला ट्रस्टी

उत्तर प्रदेश के शिकोहाबाद के पीजी कॉलेज की पूर्व प्रिंसिपल और लंबे समय से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की कार्यकर्ता रहीं निर्मला यादव ट्रस्ट की तीसरी नई और एकमात्र महिला सदस्य हैं।

निर्मला यादव इस समय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की उपाध्यक्ष हैं। वह राम मंदिर की देखरेख और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार संस्था की पहली महिला सदस्य भी हैं

राम मंदिर से जुड़े ट्रस्ट के नेतृत्व में यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब मंदिर के दान में हेराफेरी के आरोप लगे थे। चंदा चोरी से जुड़ा मामला तब विवादों में आया जब 7 जून को समाजवादी पार्टी के नेता की ओर से यह आरोप लगाया गया कि मंदिर में चढ़ावे के तौर पर आए 5 करोड़ रुपये से 7।5 करोड़ रुपये के बीच की रकम का गबन किया गया। मामले के तूल पकड़ने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को पहली विशेष जांच टीम (SIT) का गठन किया।

SIT रिपोर्ट के बाज 25 जून को 8 नामजद आरोपियों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई। यह FIR भारतीय न्याय संहिता के तहत आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, चोरी और आपराधिक साजिश जैसे अपराधों और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत दर्ज की गई। नामजद में शामिल सभी 8 आरोपियों (लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, सुभाष श्रीवास्तव, रामा शंकर मिश्रा और करुणेश पांडे) को अगले दिन गिरफ्तार कर लिया गया। जांच के अनुसार, इन आरोपियों के घरों से करीब 80 लाख रुपये बरामद किए गए।

बारिश में जर्जर मकानों को गिरने बढ़ा खतरा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। शहर के पुराने और जर्जर मकानों पर खतरा मंडराने लगा है। लगातार हो रही बारिश से वर्षों पुराने मकानों की दीवारें और छतें कमजोर हो रही हैं। शहर के कई मोहल्लों में ऐसे मकान मौजूद हैं, जिनकी हालत देखकर कभी भी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद कई जर्जर मकानों में लोग अपने परिवार के साथ रहने को मजबूर हैं।शहर के मानिक चैक कोतवाली क्षेत्र में बुधवार को एक पुराने मकान का काफी जर्जर हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। लेकिन इस घटना ने शहर में मौजूद ऐसे तमाम जर्जर मकानों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है। शहर के विभिन्न पुराने इलाकों में आधा दर्जन से अधिक ऐसे मकान हैं, जो काफी जर्जर अवस्था में पहुंच चुके

हैं। बारिश के दौरान इन मकानों की स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है। कहीं दीवारों में दरारें हैं तो कहीं छत और छज्जे कमजोर हो चुके हैं। कुछ मकानों के हिस्से पहले ही गिर चुके हैं, जबकि शेष हिस्सा कभी भी गिर सकता है।सबसे गंभीर स्थिति यह है कि कई जर्जर मकानों में आज भी परिवार रह रहे हैं। बरसात के दिनों में कमजोर दीवारों और छतों के नीचे रहना इन परिवारों के लिए किसी खतरे से कम नहीं है। मकान के आसपास से रोजाना राहगीरों, दुकानदारों और वाहन चालकों का आवागमन होता है। ऐसे में यदि किसी मकान का बड़ा हिस्सा अचानक गिरता है तो राहगीरों के साथ-साथ आसपास के लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। शहर में मौजूद कई जर्जर मकानों की समस्या केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि पारिवारिक विवादों से भी जुड़ी हुई है। संपत्ति के बंटवारे, स्वामित्व और अन्य पारिवारिक विवादों के कारण कई मकान वर्षों से विवादित हैं। कुछ मामलों में न्यायालय में मुकदमे भी चल रहे हैं। प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन मकानों की है, जो कानूनी विवादों में फंसे हुए हैं। ऐसे मामलों में कानून के दायरे में रहते हुए मकान में रह रहे लोगों और आसपास के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता है।

जमानत पर जेल से निकला मर्डर का आरोपी, शख्स को ईंट से पीट-पीटकर मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जेल से जमानत पर बाहर आए मर्डर के एक आरोपी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर 45 वर्षीय फर्म कर्मचारी सुरेश सैनी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपियों ने ईंट-पत्थरों से सुरेश के सिर पर कई वार किए। खून से लथपथ हालत में उनका शव शराब की दुकान के पास बरामद हुआ। पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर तीनों आरोपियों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

सूर्य नगर मनपुर नारायणपुर निवासी सुरेश सैनी एक स्थानीय फर्म में काम करते थे। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार शाम वह बाजार जाने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक घर वापस नहीं

लौटने पर परिवार ने उनकी तलाश शुरू की। इसके बाद बुधवार सुबह शराब की दुकान के पास सुरेश का शव खून से लथपथ हालत में मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे दुकानों के CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में तीन आरोपी सुरेश पर हमला करते दिखाई दिए। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने उनके सिर पर लगातार ईंट से वार किए। पुलिस जांच में मुख्य आरोपी की पहचान विवेक शर्मा के रूप में हुई है। उसके साथ चाऊ की बस्ती निवासी तुषार और सूर्य नगर निवासी अभय के शामिल होने की बात सामने आई है।

पोस्टमार्टम में सामने आई हमले की भयावहता

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुरेश के सिर पर करीब 12 से 14 बार ईंट से प्राणघातक वार किए गए थे। हमले में उनके सिर की हड्डियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस की जांच के अनुसार, वारदात रात करीब एक बजे अंजाम दी गई थी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और सुरेश का शव वहीं पड़ा रहा।

मुखबिरी के शक में हत्या की आशंका

पुलिस हत्या के पीछे मुखबिरी के शक और पुरानी रंजिश समेत कई पहलुओं की जांच कर रही है। मुख्य आरोपी विवेक शर्मा पिछले साल जून में हुए श्रमिक नेता मनोज शुक्ला के बेटे अमन शुक्ला हत्याकांड में जेल गया था और करीब 15 दिन पहले ही जमानत पर बाहर आया था। वहीं, आरोपी तुषार भी चोरी के एक मामले में जेल जा चुका है। पुलिस को आशंका है कि आरोपियों को सुरेश सैनी पर पुलिस की मुखबिरी करने का शक था। इसी वजह से उनकी हत्या की साजिश रची गई हो सकती है। हालांकि, हत्या की वास्तविक वजह आरोपियों की गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

नवविवाहित दंपती की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र के तिसौली गांव में बुधवार की रात पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद नवविवाहित दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गुरुवार सुबह कमरे का दरवाजा तोड़कर परिजनों ने देखा तो पत्नी का शव बेड पर पड़ा था, जबकि पति का शव दुपट्टे के फंदे से लटक रहा था। एक ही कमरे में दोनों के शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। तिसौली गांव निवासी मिठाईलाल के 23 वर्षीय पुत्र गोविंद की शादी करीब तीन माह पहले 10 मई को 21 वर्षीय नेहा के साथ हुई थी। ग्रामीणों के मुताबिक शादी के बाद से ही दोनों के बीच किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता था। विवाद के चलते नेहा कई बार मायके भी चली जाती थी।बताया जा रहा है कि बुधवार को भी पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों रात में अपने कमरे में चले गए। सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। आशंका होने पर दरवाजा तोड़ा गया। कमरे के भीतर का दृश्य देखकर परिजनों के होश उड़ गए।नेहा का शव बेड पर पड़ा था, जबकि गोविंद का शव फंदे से लटक रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बताया गया कि घर में गोविंद, उसके पिता मिठाईलाल और पत्नी नेहा रहते थे। गोविंद का छोटा भाई धर्मेंद्र परदेश में रहता है, जबकि उसकी मां का पहले ही निधन हो चुका है।थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

'बच्चों को मत मारो...', सुनते ही बौखलाए दबंग, सड़क पर महिला को चप्पलों और लात-घूंसों से पीटा

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद अंतर्गत पाकबड़ा थाना क्षेत्र से दबंगई और बर्बरता का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। बच्चों के विवाद में केवल बीच-बचाव करने पहुंची एक महिला पर पड़ोस के ही दबंगों ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने महिला को चप्पलों, लात और घूंसों से बेरहमी से पीटा, जिससे उसका सिर फट गया। इस पूरी हैवानियत का 4 मिनट का एक सीसीटीवी (CCTV) फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने इलाके में हड़कंप मचा दिया है।

घटना पाकबड़ा कस्बे की बंगाली वाली गली की है। पीड़िता पूजा (पत्नी धर्मवीर) ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पड़ोसी बच्चों की पिटाई कर रहे थे। जब

उन्होंने केवल इतना कहा कि "बच्चों को मत मारो", तो आरोपी भड़क उठे और गाली-गलौज करने लगे।

देखते ही देखते आरोपी ने अपने भाई को बुला लिया। पीड़िता के मुताबिक, विनय और दक्ष नाम के दो युवकों ने निहत्थी महिला पर हमला बोल दिया। उन्होंने सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर लात-घूंसों व चप्पलों से पीटा और सिर पर वार कर उसे लहूलुहान कर दिया। आरोप है कि मारपीट के दौरान दबंगों ने उनके कान के सोने के कुंडल भी छीन लिए और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने किया केस दर्ज, जांच शुरू

घटना के बाद लहूलुहान हालत में पीड़िता थाने पहुंची। पाकबड़ा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले की विस्तृत जांच उपनिरीक्षक (SI) सुकेश कुमार को सौंपी गई है।

SP City का बयान: आरोपी की तलाश में दबिश जारी

मामले का संज्ञान लेते हुए मुरादाबाद के पुलिस अधीक्षक नगर (SP City) कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि बच्चों के मामूली विवाद में दो पड़ोसियों के बीच मारपीट की घटना हुई थी, जिसमें एक महिला घायल हुई है।

एसपी सिटी ने स्पष्ट किया कि वायरल सीसीटीवी वीडियो और पीड़िता की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। मुख्य आरोपी विनय फिलहाल फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम लगा दी गई है। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

प्रदेश में सत्ता बदलना जरूरी : चंद्रशेखर आजाद

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद गुरुवार को पत्रकारों से वार्ता में कहा कि उत्तर प्रदेश में सत्ता बदलना बहुत जरूरी है। आरोप लगाया कि पिछले साढ़े नौ साल में सरकार ने काम से ज्यादा नाम बदलने और वादे करने का काम किया है। गोरखपुर को स्पेन और बनारस को क्योटो बनाने की बात कही गई थी, लेकिन जमीन पर हालात नहीं बदले। उन्होंने कहा कि शिक्षा, रोजगार और चिकित्सा व्यवस्था लोगों की जरूरत के मुताबिक नहीं है। कानून व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने सरकार पर सवाल खड़े किए। आजाद ने कहा कि पढ़े-लिखे युवाओं को डिग्री के आधार पर नौकरी नहीं मिल रही है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से युवा रोजी-रोटी की तलाश में मुंबई, दिल्ली और दूसरे राज्यों का रुख कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे संगठनों के कुछ नेता रात के अंधेरे में सत्ता पक्ष के नेताओं से मिलते हैं और लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाते हैं। कहा कि आरक्षण का विरोध करने वालों को पहले जाति जनगणना होने देनी चाहिए। आंकड़े सामने आने के बाद पता चलेगा कि किसका कितना हक है और किसके हिस्से का अधिकार किसने लिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछड़ों को ज्यादा आरक्षण मिलने की बात कहकर उनकी हिस्सेदारी रोकने की कोशिश हुई है।

फतेहपुर में आधी रात खूनी खेल, ससुराल में सो रहे 5 लोगों पर बांके से हमला, आरोपी दामाद की पिटाई के बाद मौत

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के बीकमपुर गांव में सनसनीखेज घटना सामने आई है। बुधवार देर रात साले और बहनोई के बीच चल रहा विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि ससुराल पहुंचे पवन विश्वकर्मा ने घर में सो रहे पांच लोगों पर बांके से हमला कर दिया। हमले में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ लिया। इस दौरान हुई मारपीट में पवन भी गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

आशापुर गांव निवासी करीब 50 वर्षीय पवन विश्वकर्मा बुधवार शाम करीब चार बजे अपनी ससुराल बीकमपुर आया था। बताया जा रहा है कि पवन का अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष के लोगों से काफी समय

से विवाद चल रहा था। इसी वजह से दोनों पक्षों के बीच रंजिश की बात सामने आ रही है। बुधवार देर रात उन्होंने केवल इतना कहा कि "बच्चों को मत मारो", तो आरोपी भड़क उठे और गाली-गलौज करने लगे।

रात करीब दो बजे सो रहे लोगों पर हमला

बताया जा रहा है कि रात करीब दो बजे पवन ने कथित तौर पर घर में सो रहे लोगों पर बांके से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से घर में चीख-पुकार मच गई। हमले में प्रदीप (20), राजेश, पुष्पा, राजकरण (22) और गोरे (18) घायल हो गए। घायलों की चीख सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पवन को पकड़ लिया।

ग्रामीणों की पिटाई में आरोपी भी गंभीर रूप से घायल

पवन को पकड़ने के बाद ग्रामीणों द्वारा उसके साथ मारपीट किए जाने की बात सामने आई है। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने पवन समेत सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। बाद में बेहतर उपचार के लिए कुछ घायलों को कानपुर के हैलट अस्पताल भेजे जाने की जानकारी सामने आई।

इलाज के दौरान पवन की मौत

उपचार के दौरान आरोपी पवन विश्वकर्मा की मौत हो गई। उसकी मौत के बाद पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की जांच तेज कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ससुराल पक्ष से विवाद की वास्तविक वजह क्या थी और किन परिस्थितियों में पवन ने घर में मौजूद लोगों पर हमला किया। इसके साथ ही ग्रामीणों द्वारा पकड़े जाने के बाद हुई मारपीट और पवन की मौत की परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही फतेहपुर के एसपी अभिमन्यु मांगलिक समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाई। फोरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। घटना के बाद बीकमपुर गांव में तनाव और दहशत का माहौल है। पुलिस गांव में स्थिति पर नजर बनाए हुए है। फिलहाल पुलिस विवाद की वजह, हमले की पूरी परिस्थितियों और पवन की मौत के कारणों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि घायलों के बयान और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जेसीबी के सामने लेटकर महिलाओं का विरोध

जौनपुर। मड़ियाहूं कस्बे के ददरा गांव में स्थित पब्लिक स्कूल के सामने एक निजी भूमि में खुदाई करवाकर नाला बनवा रहे राजस्वकर्मियों के विरोध में किसानों की महिलाओं ने जेसीबी के सामने लेटकर विरोध प्रदर्शन किया जिससे मौके पर हड़कंप की स्थिति बनी रही। किसान महिलाओं का आरोप है कि नाला बन जाने से सैकड़ो किसानों की मक्के की फसल पूरी तरह नष्ट हो जाएगी। सुरक्षा के लिए मौके पर लगाई गई पुलिस प्रशासन भी दर्जनों महिलाओं के आगे बेबस नजर आई। मौके की नजाकत देखकर राजस्व कर्मी जेसीबी लेकर उल्टे पांव वापस चले आए। महिलाओं ने राजस्व कर्मियों की मंशा पर जेसीबी रुकवा कर पानी फेर दिया है। दो दिनों से मूसलाधार बरसात होने के कारण किशुनपुर ददरा समेत तमाम गांवों की बरसात की पानी निकासी नहीं होने के कारण किसानों की खेत डूब गई है वहीं ददरा प्राइमरी स्कूल भी डूब गया है। जिसके कारण शिक्षण कार्य बंद है।

घर में नहीं टिक रही एक भी कामवाली, आज ही सुधार लीजिए अपनी ये छोटी-छोटी गलतियां

अक्सर महिलाओं को परेशानी होती है कि कामवाली टिक नहीं रही है मेड बार–बार काम छोड़कर चली जाती है। ऐसे में उन्हें समझ नहीं आता कि क्या करना चाहिए। इसलिए हम आपको कुछ जरूरी चीजों के बारे में बता रहे हैं इनका ध्यान रखने से आपको इस तरह की समस्या नहीं होगी।

कामवाली या फिर कहें घर में काम करने वाली मेड हर किसी महिला की जिंदगी में जरूरी हो गई है। मजाक में तो ये तक कहा जाता है कि पति एक दिन घर पर नहीं आए तो चल जाएगा लेकिन मेड अगर नहीं आई तो परेशानी हो जाएगी। क्योंकि महिलाओं की डिपेंडेंसी कामवाली पर काफी बढ़ गई है। वर्किंग वुमन तो घर के कामों के लिए पूरी तरह ही हाउसहोल्ड मेड पर निर्भर रहती हैं।

जरा सोचिए मेड के छुट्टी लेने से इतनी प्रॉब्लम होती है जब काम छोड़कर ही चले जाए तो फिर क्या होगा। मेड की डिमांड बढ़ने से अक्सर इस तरह की दिक्कत होती है। हर महिला की एक ही शिकायत होती है कि कामवाली टिक ही नहीं रही है। वैसे इसमें कुछ आपकी गलतियां भी हो सकती हैं जिनकी जानकारी हम आपको दे रहे हैं साथ ही समस्या का समाधान भी बता रहे हैं।

तय काम ही करवाएं

सबसे जरूरी है कि आप अपनी मेड से तय किए काम ही करवाएं। अगर आपने किचन के काम के लिए उन्हें रखा है तो वही काम के लिए बोलें। अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि बात किचन की होती है और लोग उनसे कुछ भी काम करवाने लग जाते हैं। इसकी वजह से काम वाली खीच खाने लगती हैं। ऐसे में क्या-क्या काम करवाना आपको पहले ही तय कर लेना है इसके अलावा कभी एक्स्ट्रा जरूरत हो तो उसके लिए भुगतान भी करें।

सही इंस्ट्रक्शन जरूरी

अक्सर कामवाली बाई तनातनी की वजह से काम छोड़कर चली जाती हैं इसकी वजह आपका काम से संतुष्ट ना होना भी हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पहले ही मेड को ठीक से इंस्ट्रक्शन दें, किस तरह से क्लीनिंग चाहिए ये उन्हें साफ-साफ बता दें। उदाहरण के लिए किचन की सफाई कर देना, सिर्फ इतना कहना काफी नहीं है। आप किचन में क्या-क्या क्लीन करना चाहती हैं ये अच्छे से बता दीजिए।

अच्छे से करें बात

कुछ लोगों का घर में काम करने वाली मेड के साथ व्यवहार अच्छा नहीं होता है लोग उन्हें एक नौकर की तरह ट्रीट करते हैं। अक्सर यही रवैया मेड और मालिक के बीच तनातनी की वजह बन जाता है। आपको यह समझना चाहिए कि भले ही आप उन्हें पैसे दें रहे हैं बदले में वो भी आपको सर्विस दे रही हैं। ऐसे में अगर आप उनके लिए अपना रवैया बेहतर बनाकर रखेंगी तो वो आपके घर को नहीं छोड़ेंगी।

जरूरत पर करें मदद

जिंदगी में कभी ना कभी किसी को भी पैसों की मदद की जरूरत पड़ जाती है। ऐसा आपके घर काम करने वाली मेड के साथ भी हो सकता है। ऐसे में अगर इमरजेंसी में वो आपसे मदद मांगती हैं तो आपको भी उन्हें मना नहीं करना चाहिए। आपसे जितना हो सके उतना ही उनकी हेल्प करें। आपकी मदद की वजह से वो भी अच्छी तरह से तालमेल बैठाकर रखेंगी और आपका घर नहीं छोड़ेंगी।

गणपति बप्पा की स्थापना करने के लिए ऐसे करें घर, मंदिर और पंडाल की सजावट

7 सितंबर से गणेशोत्सव प्रारंभ हो रहा है, जिस दौरान भगवान गणेश 10 दिनों के लिए धरती पर आते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर भक्त अपने घरों में गणपति बप्पा की मूर्तियों की स्थापना करते हैं।इस दौरान भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है और उन्हें तरह-तरह के भोग लगाए जाते हैं।अगर आप भी इस बार गणेश जी की मूर्ति घर ला रहे हैं तो मंदिर, पंडाल और घर की सजावट के लिए ये तरीके अपनाएं।

आज कल हर कोई गणपति जी का पंडाल सजाने के लिए एलईडी लाइट का इस्तेमाल करता है। आप इनके बजाए हिंदू धर्म में सदियों से इस्तेमाल होने वाली लालटेन से घर और मंदिर को सजा सकते हैं।बाजार से कुछ कांच की लालटेन खरीदें और उनको अपने मनपसंद रंगों में पेंट कर दें। अब इनमें घी के दीपक या मोमबत्तियां जलाकर रखें।इनके जरिए घर तो रोशन होगा ही, बल्कि आपके घर में बड़े मंदिरों की झलक भी जुड़ जाएगी।

गणेश चतुर्थी के त्योहार पर घर की सजावट करने का सबसे अच्छा तरीका है फूलों का इस्तेमाल करना।आप गेंदा, चमेली, गुलाब आदि जैसे सुगंधित फूलों के जरिए मंदिर और पंडाल को खूबसूरत दिखा सकते हैं।ऐसे रंगों वाले फूलों को चुनें, जो एक साथ अच्छे दिखते हों और उनमें हरियाली जोडने के लिए पत्तियां भी शामिल करें। आप बाजार में मिलने वाले नकली फूलों का भी चुनाव कर सकते हैं।

अगर आपका बजट कम है और आप कम पैसों में बेहद आकर्षक पंडाल तैयार करना चाहते हैं तो दुप्पटों से सजावट करें। अलग-अलग रंगों वाले दुप्पटे लेकर उन्हें दीवार पर लटकाएं।आप इन दुपट्टों की मदद से एक मंडप भी तैयार कर सकते हैं, जिसके बीचों बीच मूर्ति की स्थापना हो सके। पंडाल की शोभा को और बढ़ाने के लिए चारों तरफ लाइट वाली झालर लटका दें।जानिए गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को क्यों चढ़ती हैं ये चीजें।

देशभर में गणेश चतुर्थी के मौके पर बड़े-बड़े पंडाल लगाए जाते हैं, जिनमें किसी थीम पर आधारित सजावट की जाती है। आप भी अपने घर पर सजावट करने के लिए कोई विशेष थीम चुन सकते हैं।इन दिनों मोर वाली सजावट, मानसून की थीम वाली सजावट, भगवान शिव के थीम वाली सजावट आदि बेहद चलन मे हैं। कोई एक थीम चुनें और उसे दर्शाने वाली सजावट करें।आप पर्यावरण के अनुकूल गणेश प्रतिमा बनाने के लिए ये तरीके अपनाएं। इन दिनों बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए हमें पर्यावरण के अनुकूल सजावट को बढ़ावा देना चाहिए।आप गणेशोत्सव पर पर्यावरण के अनुकूल सजावट करने के लिए रंग-बिरंगे कागजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मेहंदी घोलते समय भूलकर भी न मिलाएं ये 5 चीजें, बाल हो जाएंगे इतने खूबसूरत कि खुद ही पहचानने से कर देंगी इनकार

अगर आप सिर्फ मेहंदी से अपने बालों को बहुत ही ज्यादा खूबसूरत, शाइनी और सिल्की बनाना चाहती हैं तो हमारी बताई इन चीजों को हिना में जरूर मिलाएं। क्योंकि आज हम आपको इस लेख में 5 ऐसी चीजों के बारे में बताने वाले हैं जो बालों के लिए बहुत ही ज्यादा फायदेमंद होती हैं और हेयर ग्रोथ को भी बेहतर बनाती है।

हम में से ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को कलर करने के साथ-साथ उन्हें और भी ज्यादा खूबसूरत और शाइनी बनाने के लिए मेहंदी लगाती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि अगर आप मेहंदी के घोल में हमारी बताई इन 5 नेचुरल चीजों को ऐड करती हैं तो इसके लाभ कई गुना बढ़ जाएंगे!

जी हां ये सच है और इन चीजों को मिलाकर बालों पर लगाने से न सिर्फ आपके बालों का रंग खिलकर आएगा, बल्कि इससे बालों के विकास को बढ़ावा, शाइन और सुगंधित खुशबू भी मिलेगी। तो फिर अगली बार अपने हिना लगाने से पहले इन चीजों को जरूर मिक्स करें। फिर देखें आपके बाल इतने ज्यादा खूबसूरत हो जाएंगी कि आपको खुद यकीन नहीं होगा कि ये रेशम से बार आपके हैं।

हिना में चाय पत्ती का पानी मिलाने के फायदे

चाय पत्ती में मौजूद टैनिन बालों के रंग को डार्क और चमकदार बनाने में मदद करता है और खासकर लाल या भूरे रंग के बालों के लिए फायदेमंद होता है। साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो बालों को नुकसान पहुंचाने से बचाते हैं और उनका झड़ना कम कर मजबूती देने में मदद करते हैं। इसलिए मेहंदी घोतले समय नॉर्मल पानी की जगह चाय पत्ती के पानी का इस्तेमाल करें।

हिना में आंवला मिलाकर लगाने के फायदे

आंवला में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो बालों की ग्रोथ को बेहतर बनाने और उन्हें काला बनाए रखने में मदद करता है। हिना और आंवला दोनों मिलकर बालों को नेचुरल कलर देने में मदद करता है। साथ ही अगर आपको हेयर फॉल की समस्या है तो ये उसे भी ठीक करने में फायदेमंद है।

मेहंदी में रीठा मिलाकर बालों पर लगाने से क्या होता है?

आज नहीं बल्कि सदियों से लंबे-घने और मजबूत बालों के लिए रीठा का इस्तेमाल किया जाता रहा है। आप ही अपने बालों को पोषण देने और उन्हें हल्दी बनाने के लिए हिना में रीठा पाउडर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स बालों स्कैल्प को साफ रखने का काम करते हैं।

बालों पर अंडा लगाने के फायदे

सेहत के साथ-साथ बालों के लिए भी अंडा बहुत ही ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन और खनिज भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो बालों को हेल्दी और स्ट्रांग बनाने में मदद करते हैं। आप चाहें तो 1 अंडा मेहंदी के घोल में मिलाकर बालों पर लगा सकती हैं वरना दही के साथ मिलाकर लगाने से भी आपको फायदे मिलेंगे।

मेहंदी में करी पत्ता घोलने से क्या होता है?

करी पत्ता सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाने वाला ही नहीं बल्कि बालों के लिए भी बेहद फायदेमंद है। अगर आप मेहंदी में करी पत्ते का इस्तेमाल कर रही हैं तो इसका पेस्ट बनाका डालें। ये आपके बालों को नेचुरली ब्लैक बनाने, पोषण देने और स्कैल्प को हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है। आप चाहें तो करी पत्ता का हेयर मास्क बनाकर भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

एक ही समय पर दस्त और कब्ज लगने के हो सकते हैं ये 5 कारण

दस्त और कब्ज, दोनों ही पेट की समस्याएं हैं, जो अलग-अलग लक्षण और इलाज रखती हैं। हालांकि, कुछ स्थितियों में ये दोनों समस्याएं एक साथ हो सकती हैं। इस लेख में हम उन 5 कारणों के बारे में जानेंगे, जिनसे एक ही समय पर दस्त और कब्ज, दोनों लग सकते हैं। इन कारणों को जानकर आप बेहतर तरीके से इन समस्याओं का इलाज कर सकते हैं और अपनी सेहत को सुधार सकते हैं।

खाने में बदलाव

खाने में अचानक बदलाव करने से पाचन तंत्र प्रभावित हो सकता है। अगर आप अचानक से ज्यादा फाइबर वाला या गलत खाने का सेवन करने लगते हैं तो इससे दस्त और कब्ज, दोनों हो सकते हैं।

इसके अलावा ताजे फल और सब्जियों की कमी भी इस समस्या का कारण बन सकती है। इसलिए, अपने खाने में धीरे-धीरे बदलाव करें और ऐसा खाना खाएं, जिसमें प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स और फाइबर की सही मात्रा हो।

पानी की कमी

शरीर में पानी की कमी भी दस्त और कब्ज, दोनों का कारण बन सकती है। जब शरीर को पर्याप्त पानी नहीं मिलता तो यह अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए मल को अधिक अवशोषित कर लेता है, जिससे कब्ज हो जाते है।

वहीं, कुछ मामलों में यह पेट के बैक्टीरिया को असंतुलित कर देती है, जिससे दस्त लग जाते हैं। इसलिए, रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है।

संक्रमण या बीमारी

कुछ संक्रमण या बीमारियां भी दस्त और कब्ज, दोनों का कारण बन सकती हैं। जैसे आंतों की सूजन, फ्लू वायरस या बैक्टीरियल संक्रमण।

इन मामलों में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी होता है, ताकि सही इलाज मिल सके और समस्या का समाधान भी हो सके। इसके अलावा पेट के संक्रमण के कारण भी दस्त और कब्ज, दोनों लग सकते हैं।

ऐसे में डॉक्टर से संपर्क करना बेहद जरूरी होता है।

मानसिक तनाव

मानसिक तनाव, जैसे चिंता या तनाव भी पाचन तंत्र पर बुरा असर डाल सकता है, जिससे दस्त और कब्ज लग सकते हैं। जब शरीर में तनाव होता है तो यह पेट पर दबाव डालता है, जिससे मल सख्त हो जाता है या तरल हो जाता है।

इसलिए, मानसिक शांति बनाए रखना बहुत जरूरी है, ताकि पेट स्वस्थ रहे और ऐसी समस्याएं न हों। इसके लिए नियमित ध्यान या योग करना फायदेमंद हो सकता है।

दवाइयों का असर

कुछ दवाइयों के सेवन से भी दस्त या कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर अगर आप किसी संक्रमण या बीमारी का इलाज करवा रहे हों तो डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाइयों का ही सेवन करें।

गलत दवाइयों के सेवन से शरीर पर बुरा असर पड़ता है, जिससे पेट संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इन कारणों को जानकर आप बेहतर तरीके से इन समस्याओं का इलाज कर सकते हैं और अपनी सेहत को सुधार सकते हैं।

क्या ड्राइविंग लाइसेंस के आधार पर कैंसिल हो सकता है कार बीमा का क्लेम? जान लें सच

वैलिड ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होने पर इंश्योरेंस कंपनी क्लेम को रिजेक्ट नहीं कर सकती है। उपभोक्ता आयोग ने एक मामले में पॉलिसीधारक को ₹3 .5 लाख और मानसिक परेशानी के लिए ₹1 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया।

कंपनी ने फर्जी

अगर आपकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो जाए और इंश्योरेंस कंपनी ड्राइविंग लाइसेंस में कमी बताकर क्लेम खारिज कर दे, तो इसका मतलब यह नहीं है कि कंपनी की जिम्मेदारी अपने आप खत्म हो जाती है। पश्चिम बंगाल राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के एक हालिया फैसले में ऐसी ही स्थिति सामने आई। आयोग ने बीमा कंपनी की अपील खारिज करते हुए पॉलिसीधारक को ₹3 .5 लाख देने का आदेश दिया। इसके अलावा मानसिक परेशानी के लिए ₹1 लाख का मुआवजा भी देने को कहा गया।

यह आदेश 8 जुलाई 2026 को दिया गया। मामले में HDFC जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने पॉलिसीधारक का मोटर इंश्योरेंस क्लेम खारिज किया था। कंपनी का कहना था कि हादसे के समय कार चलाने वाले व्यक्ति के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। उसके पास दूसरा लाइसेंस भी था, जिसे बताया था।

क्या था पूरा मामला?

पॉलिसीधारक के पास Skoda New Laura Ambiente 1 .8 TSI कार थी। कार का इंश्योरेंस ₹6 .95 लाख के IDV पर कराया गया था। पॉलिसी 9 मार्च 2014 से 9 मार्च 2015 तक वैध थी और इसके लिए ₹11,233 का प्रीमियम दिया गया था। 12 अक्टूबर 2014 को कार का एक्सीडेंट हो गया। इसे Skoda सर्विस सेंटर ले जाया गया, जहां मरम्मत का खर्च करीब ₹5 .28 लाख बताया गया। इसके बाद पॉलिसीधारक ने इंश्योरेंस कंपनी से क्लेम मांगा। लेकिन कंपनी ने क्लेम देने से इनकार कर दिया। उसका कहना था कि ड्राइवर के पास वैध लाइसेंस नहीं था और उसके पास नागालैंड से जारी एक दूसरा लाइसेंस भी था। कंपनी ने इसे मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 6 का उल्लंघन बताया।

सिर्फ दो लाइसेंस होने से कंपनी की जिम्मेदारी खत्म नहीं हुई

उपभोक्ता आयोग ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास एक से ज्यादा ड्राइविंग लाइसेंस हैं, तो यह मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन हो सकता है। इसके लिए कानून के तहत सजा भी हो सकती है। लेकिन सिर्फ इस आधार पर बीमा कंपनी पॉलिसीधारक का क्लेम खारिज नहीं कर सकती। आयोग ने साफ किया कि ड्राइवर की गलती और कार मालिक की इंश्योरेंस पॉलिसी की शर्तों का उल्लंघन, दोनों अलग बातें हैं। अगर ड्राइवर ने नियम तोड़ा है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है, लेकिन इससे बीमा कंपनी की जिम्मेदारी अपने आप खत्म नहीं होती।

अब बीमा कंपनी को कितना पैसा देना होगा?

आयोग ने बीमा कंपनी को पॉलिसीधारक को ₹3 .5 लाख देने का आदेश दिया है। इस रकम पर 7 सितंबर 2016 से 6% सालाना ब्याज देना होगा। भुगतान 45 दिन में नहीं होने पर ब्याज की दर आगे बढ़कर 9% सालाना हो जाएगी। इसके अलावा पॉलिसीधारक को मानसिक परेशानी के लिए ₹1 लाख का मुआवजा भी मिलेगा। हालांकि आयोग ने पॉलिसीधारक की ओर से मांगी गई पूरी ₹6 .95 लाख की IDV राशि देने का आदेश नहीं दिया।

पॉलिसीधारकों के लिए क्या सीख है?

इस फैसले से सबसे बड़ी सीख यह है कि सिर्फ ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी या अमान्य मिलने के आधार पर हर मोटर इंश्योरेंस क्लेम खारिज नहीं किया जा सकता। कार मालिक को ड्राइवर का लाइसेंस जरूर देखना चाहिए और यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वह वाहन चलाने के लिए सक्षम है। वहीं, अगर बीमा कंपनी क्लेम रिजेक्ट करती है, तो पॉलिसीधारक को रिजेक्शन लेटर और सर्वेयर की रिपोर्ट ध्यान से देखनी चाहिए।

उबर में 3,300 नौकरियों पर कैंची! सीईओ दारा खोसरोशाही ने मेमो जारी कर 10% छंटनी का किया ऐलान

उबर अपने ग्लोबल वर्कफोर्स के 10% कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है। सीईओ दारा खोसरोशाही की ओर से कर्मचारियों को भेजे गए एक मेमो के अनुसार, कंपनी ने यह फैसला 'टीम स्ट्रक्चर' को आसान बनाने के लिए लिया है

छंटनी से उबर के कॉर्पोरेट, टेक डिवीजन के हजारों कर्मचारी प्रभावित होंगे

ग्लोबल राइड-हेलिंग दिग्गज उबर ने कॉर्पोरेट जगत को बड़ा झटका देते हुए अपनी वर्कफोर्स में 10% की भारी कटौती का ऐलान किया है। कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर दारा खोसरोशाही ने कर्मचारियों को भेजे एक आंतरिक मेमो में इस कड़े फैसले की पुष्टि की। कंपनी का दावा है कि यह छंटनी किसी तात्कालिक वित्तीय संकट के कारण नहीं, बल्कि संगठन के ढांचे को सुव्यवस्थित करने, अनावश्यक कॉर्पोरेट परतों को खत्म करने और फैसला लेने की प्रक्रिया को तेज बनाने के उद्देश्य से की जा रही है। टेक सेक्टर में जारी 'ऑपरेशनल एफिशिएंसी' के इस दौर में उबेर के इस फैसले ने वैश्विक टेक वर्कफोर्स में नौकरियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

जॉब कट का ऐलान

कैब एग्रीगेटर कंपनी उबर टेक्नोलॉजीज अपने परिचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए दुनियाभर में करीब 10 प्रतिशत कर्मचारियों की संख्या कम करेगी। इस फैसले से करीब 3,400 नौकरियां प्रभावित होने का अनुमान है। उबर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दारा खोसरोशाही ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में करीब 10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कंपनी प्रबंधन के स्तर घटाने, टीमों को सरल ढांचे में संगठित करने और कार्यालयों को चुनिंदा शहरों में केंद्रित करने की दिशा में काम कर रही है।

70 देशों में काम करती है कंपनी

उबर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि भारत में भी कुछ कर्मचारियों की भूमिकाएं प्रभावित होंगी, लेकिन भारत कंपनी के लिए महत्वपूर्ण बाजार बना रहेगा। कंपनी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपने कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए भारत में क्षेत्रीय परिचालन मजबूत कर रही है। कंपनी की 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, उबर और उसकी अनुषंगी कंपनियों में करीब 34,000 कर्मचारी थे। कंपनी 70 से अधिक देशों और 15,000 से अधिक शहरों में परिचालन करती है।

ऐसे कम की कर्मचारियों की संख्या

उबर ने प्रबंधन के स्तर और समन्वय से जुड़ी भूमिकाओं में कटौती की है। सीईओ से सात या अधिक स्तर नीचे काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या 20 प्रतिशत और एक-दो कर्मचारियों वाली छोटी टीमों की संख्या करीब 50 प्रतिशत घटाई गई है। इसके अलावा कंपनी अधिकांश दूरस्थ कर्मचारियों को कार्यालय से काम करने के लिए कह रही है। मौजूदा हाइब्रिड नीति के तहत सप्ताह में तीन दिन कार्यालय से काम करना होगा।

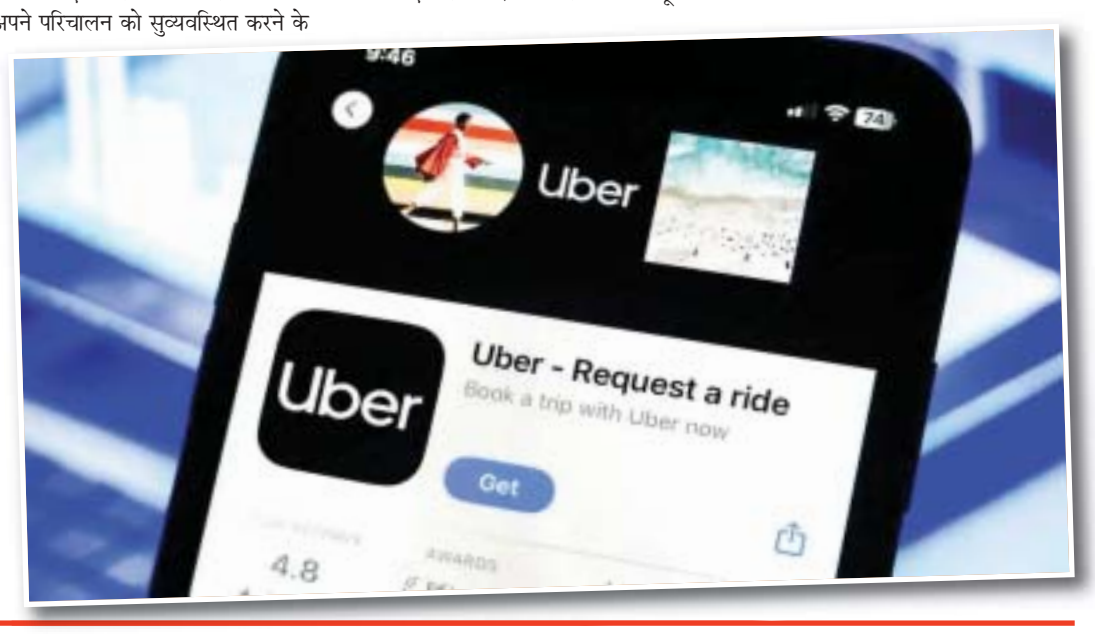

बिश्केक में PM मोदी और ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन की मुलाकात से बेचैन हुआ अमेरिका! सताने लगा व्यापार समझौते का डर

वॉशिंगटन, एजेंसी। मध्य पूर्व में जारी संकट और तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से मुलाकात की, लेकिन यह मुलाकात अमेरिका को शायद रास नहीं आई। इस हाई प्रोफाइल मुलाकात को लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत और अन्य देशों को आगाह किया है कि वे ईरान को रेवेन्यू कमाने या अमेरिकी पाबंदियों से बचने में किसी तरह की कोई मदद न करें।

मार्को रुबियो ने फॉक्स न्यूज रेडियो पर 'द ब्रायन किल्मीड शो' में ब्रायन किल्मीड के साथ एक इंटरव्यू के दौरान ये बातें कहीं। रुबियो से पीएम मोदी और ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन के बीच बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर

सम्मेलन से इतर हुई मुलाकात को लेकर सवाल पूछा गया था। किल्मीड ने अपने सवाल के दौरान कहा कि ऐसा लग रहा है कि पीएम मोदी और पेजेश्कियन किसी व्यापार समझौते की तैयारी कर रहे हैं, इसके जवाब में रुबियो ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच किसी तरह का कोई व्यापार समझौता हो रहा है। जाहिर है, हर देश अपनी विदेश नीति बनाता है, और दुनिया भर के कई देश ईरानी सरकार से बातचीत करते हैं।"

बैन से बचने में मदद न करे कोई: रुबियो

विदेश मंत्री रुबियो ने कहा कि वाशिंगटन को पता है कि दुनिया भर के देश ईरान के साथ संपर्क बनाए हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि खुद अमेरिका ने भी पिछली बातचीत के दौरान ईरान के प्रतिनिधियों से बातचीत की थी। उन्होंने कहा, "मेरा मतलब है कि हमने भी ईरानी सरकार के कुछ प्रतिनिधियों से मुलाकात की है, हमारी मुलाकात कुछ ऐसी चर्चाओं के सिलसिले में हुई है और उनसे संपर्क रहा है।" उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि किसी भी देश को ईरान की प्रतिबंधों से बचने में मदद नहीं करनी चाहिए।

रुबियो ने कहा, "किसी भी देश को ऐसे तरीके बनाने में उनकी मदद नहीं करनी चाहिए जिनसे वे अपने लिए रेवेन्यू जुटा सकें और फिर उसका इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने तथा परमाणु हथियार बनाने की कोशिश में कर सकें। अगर कोई देश ऐसा करने का फैसला करता है, तो हम उन पर भी प्रतिबंध लगाएंगे।"

अमेरिकी विदेश मंत्री की ओर से यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन ने ईरान के खिलाफ अपना आर्थिक पाबंदियों से जुड़ा अभियान काफी तेज कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने उन देशों और कंपनियों को आगाह किया है जो तेहरान के साथ व्यापार जारी रखती हैं कि उन्हें 'सेकेंडरी सैंक्शंस' का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने पिछले महीने 24 अगस्त को "ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट" शुरू किया। उन्होंने इस कोशिश को "इकोनॉमिक D-डे" करार दिया, जिसका मकसद ईरान की बची-खुची आर्थिक जीवन-रेखाओं को भी बर्बाद करना है।

भारत और अन्य देशों के लिए संदेश

रुबियो की ये बातें बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और पेजेश्कियन की मुलाकात के बाद सामने आईं। दोनों शीर्ष नेताओं ने भारत और ईरान के बीच संबंधों पर चर्चा की, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने तथा उसमें विविधता लाने की योजनाएं शामिल थीं। इस दौरान दोनों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और कमर्शियल शिपिंग तथा नाविकों की सुरक्षा पर भी चर्चा हुई।

मुलाकात के बाद क्या बोले PM मोदी

मुलाकात को लेकर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा, "बिश्केक में राष्ट्रपति पेजेश्कियन से मुलाकात हुई। हमने ईरान के साथ भारत की पुरानी दोस्ती को अलग-अलग क्षेत्रों में और मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया। हम आने वाले समय में अपने व्यापार के दायरे को बढ़ाना और उसमें विविधता लाना चाहते हैं। हमने क्षेत्र के मौजूदा हालात पर काफी चर्चा की। भारत स्थायी शांति सुनिश्चित करने के मकसद से की जा रही सभी कोशिशों का समर्थन करना जारी रखेगा।"

विदेश मंत्रालय (MEA) ने मुलाकात को लेकर बताया कि पीएम मोदी ने खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर भी गहरी चिंता जताई और भारत के इस पुराने रुख को दोहराया कि विवादों और तनाव को बातचीत और कूटनीति के जरिए सुलझाया जाना चाहिए।

नेपाल बाढ़ में भारत का मदद अभियान जारी, 5 .5 टन मेडिकल सामान लेकर पहुंचा IAF का विमान ; 166 भारतीयों का रेस्क्यू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ को आए कई दिन बीत चुके हैं और अभी भी राहत-बचाव का काम जारी है। वहीं, भारत भी नेपाल को बचाव और राहत सहायता देना जारी रखे हुए है। बुधवार को भारतीय वायु सेना की पांचवीं उड़ान मानवीय सहायता लेकर काठमांडू पहुंची। इसमें लगभग 5 .5 टन मेडिकल सामान था, जिसमें एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक दवाएं, सर्जिकल का सामान और अन्य जरूरी दवाएं शामिल थीं। इस उड़ान में 11 सदस्यों की एक खास टीम और 6 टन से ज्यादा बचाव का सामान भी था। मदद की इस नई खेप को मिलाकर भारत ने अब तक नेपाल को लगभग 74 टन राहत सामग्री पहुंचा चुका है।

इस भयानक बाढ़ से अब तक 166 भारतीय नागरिकों को बचाया जा चुका है, जिनमें बुधवार को

बचाए गए 3 लोग भी शामिल हैं। वहीं, कुल 410 भारतीय नागरिक, जो तिब्बत में तीर्थयात्रा या अन्य गतिविधियों के लिए गए थे, वो भी अब चीन से निकल चुके हैं।

भारतीय टनल बचाव टीम ने बुधवार को अपना बेस त्रिशूली से स्याब्रूबेसी शिफ्ट कर लिया, जिससे चिलिमे तक यात्रा का समय कम करने में मदद मिलेगी, जहां बचाव अभियान चल रहे हैं। इस बीच टीम ने नेपाली सेना के साथ मिलकर चिलिमे में अपना खोज अभियान जारी रखा है। टनल के अंदर गहरी कीचड़ और रुकावटों के बावजूद टीम बुधवार को लगभग 100 मीटर आगे बढ़ने में सफल रही। तेजी से काम करने और टनल तक पहुंचने के लिए एक वैकल्पिक सड़क मार्ग की संभावना भी तलाशी गई, ताकि खोज और बचाव के लिए और अधिक भारी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा सके।

भारत के 11 रेस्क्यू एक्सपर्ट पहुंचे नेपाल

भारत से बुधवार को आए 11 रेस्क्यू एक्सपर्ट खास उपकरणों के साथ त्रिशूली बाजार के पास पहुंच गए हैं और उम्मीद है कि वो गुरुवार से नेपाली सेना के साथ मिलकर अपना काम शुरू करेंगे। वहीं, खबर ये भी है कि भारत की फॉरेंसिक टीम अब काठमांडू की दो प्रयोगशालाओं में नेपाल के विशेषज्ञों के साथ मिलकर DNA नमूनों की जांच और विश्लेषण का काम कर रही है।

बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 1100 के पार

नेपाल में भीषण बाढ़ और फ्लैश फ्लड के बाद मौतों का आंकड़ा 1100 के पार पहुंच गया है, जबकि 4800 से अधिक लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। हालांकि राहत और बचाव अभियान युद्ध स्तर पर जारी है। इस बीच सैकड़ों अज्ञात शवों को दफनाया जा रहा है, क्योंकि उन शवों की हालत खराब हो चुकी है, वो सड़ने लगे हैं। चूंकि शवगृह और अस्थायी केंद्र भी शवों से भर चुके हैं, ऐसे में प्रशासन को मजबूरन ये फैसला लेना पड़ा है।

गोलीबारी से फिर दहला अमेरिका, मिनियापोलिस फायरिंग में 2 की मौत, 3 पुलिस अधिकारी समेत 7 घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डाउनटाउन मिनियापोलिस में ऊंचे अपार्टमेंट के अंदर हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। इसमें 7 लोग घायल हो गए। इनमें तीन पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। इस घटना में एक बंदूकधारी भी मृत मिला। पुलिस ने कहा कि उसकी मौत कैसे हुई, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका। एक पीड़ित की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि दूसरे की मौत हॉस्पिटल ले जाए जाने के बाद हुई।

हेनेपिन काउंटी मेडिकल सेंटर के अनुसार, घायल पुलिसकर्मियों में दो अधिकारियों को गोली लगी थी और उनके बचने की उम्मीद थी, जबकि तीसरे अधिकारी की हालत भी स्थिर थी।

पुलिस को शाम 4:30 बजे के कुछ ही देर बाद गोलीबारी के बारे में 911 पर कॉल मिली। पुलिस सार्जेंट गैरेट पार्टेन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में

बताया कि अधिकारी लगभग 3 मिनट बाद इमारत में दाखिल हुए और ऊंची इमारत के अंदर पीड़ितों को पाया।

इसके बाद अधिकारियों ने और गोलीबारी की आवाज सुनी और ऊपर की मंजिल की ओर बढ़े, जहां उन्हें धुंध का सामना करना पड़ा जिससे कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा था। एक अधिकारी के पैर में गोली लगी थी, जबकि दूसरे की सर्जरी हो रही थी। अधिकारियों ने तीसरे अधिकारी की चोटों के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं दी। हेनेपिन काउंटी मेडिकल सेंटर ने कहा कि गोलीबारी के बाद उनके पास सात मरीज आए, लेकिन उनकी हालत के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी।

सोशल मीडिया में शेयर किए गए वीडियो में क्या दिखा?

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में भारी हथियारों से लैस पुलिस अधिकारियों को मिनियापोलिस कन्वेंशन सेंटर के पास एक अपार्टमेंट टावर की ओर राइफलें ताने हुए देखा गया। अधिकारियों ने वहां रहने वाले लोगों से अपील की। उन्होंने कहा कि वे पास के लोरिंग पार्क इलाके में जाने से बचें क्योंकि कार्रवाई जारी थी। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने कहा कि राज्य के अधिकारी स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद कर रहे हैं। साथ ही लोगों से प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना करने की अपील की। वाल्ज ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "आज दोपहर डाउनटाउन मिनियापोलिस में हमारे पड़ोसियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे कानून प्रवर्तन अधिकारियों का आभारी हूं।" "मिनेसोटा हमारे फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स के लिए प्रार्थना कर रहा है।"

झारखंड में पावर प्लांट के नाम पर 290 करोड़ का घोटाला, कोलकाता में 11 ठिकानों पर ईडीकी रेड

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में ईडी ने कई जगहों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। ED की कोलकाता जोन-I टीम ने करीब 290 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड मामले में कोलकाता के 11 ठिकानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है। ये मामला M/s Kohinoor Power Pvt। Ltd। से जुड़ा है। कंपनी ने झारखंड में 66 मेगावाट के पावर प्लांट के लिए बैंकों से लोन लिया था। आरोप है कि कंपनी ने लोन की रकम का इस्तेमाल पावर प्लांट के बजाय अन्य ग्रुप कंपनियों में पैसा ट्रांसफर करने और निजी इस्तेमाल में किया।

बाद में कंपनी NCLT में चली गई। लिक्विडेशन की प्रक्रिया के दौरान महज करीब 7 करोड़ रुपये ही रिकवर हो सके, जिससे बैंकों और अन्य लेनदारों को भारी नुकसान हुआ। ED की तलाशी में ग्रुप के प्रमोटर प्रशांत बोथरा और विजय बोथरा से जुड़े परिसरों को भी कवर किया जा रहा है।

नकली टोल वसूलने पर ईडी की छापेमारी

2 सितंबर को एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ED) ने NHAI (नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया) धोखाधड़ी मामले में पश्चिम बंगाल समेत सात राज्यों में कई जगहों पर छापेमारी की। इस मामले में नकली टोल रसीदें जारी करके वाहन चालकों से गैर-कानूनी तरीके से पैसे वसूले गए थे। एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि ED के 6 अधिकारियों की एक टीम ने केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ मिलकर कोलकाता के शेक्सपियर सरणी इलाके में एक फ्लैट पर छापा मारा। यहां शहर के एक व्यापारी का ऑफिस है। ED सूत्रों ने बताया कि एजेंसी लखनऊ (UP) में दर्ज कराई गई एक शिकायत के आधार पर पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में 14 जगहों पर छापेमारी कर रही थी।

जांच में पता चला कि फर्जी रसीदें जारी करके पैसे इकट्ठा किए गए और टोल बूथ से चालाकी से पैसे हटा भी लिए गए। सूत्रों का कहना है कि टोल पर मौजूद सरकारी रिकॉर्ड में ऐसे पेमेंट मिलने का कोई ब्यौरा नहीं था। जांच करने वाले अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि गैर-कानूनी तरीके से इकट्ठा किया गया पैसा कहां गया और इस धोखाधड़ी में कौन-कौन शामिल था।

कोलकाता में सुबह 4.30 बजे भारी बवाल

कैमक स्ट्रीट टीएमसी दफ्तर पर हमला, अभिषेक बनर्जी ने भाजपा पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में BJP कार्यकर्ताओं ने सुबह करीब 4:30 बजे कोलकाता की कैमक स्ट्रीट पर TMC ऑफिस पर हमला किया। तोड़-फोड़ की और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की। जब बीजेपी कार्यकर्ता ऐसा कर रहे थे तो कोलकाता पुलिस तकरीबन 2 घंटे तक कार्रवाई करने में नाकाम रही है।

अभिषेक बनर्जी ने अपने X अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अगरअगर लोग सुबह 4:30 बजे हथियारों के साथ किसी राजनीतिक पार्टी के ऑफिस में घुस सकते हैं, लोगों के साथ मारपीट कर सकते हैं और

तोड़-फोड़ कर सकते हैं, जबकि पुलिस वहां मौजूद नहीं होती, तो पश्चिम बंगाल में कानून का शासन आखिर बचा ही क्या है? अब बहुत हो चुका। दोषियों को गिरफ्तार करें, जवाबदेही तय करें। अभी कार्रवाई करें। अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता पुलिस पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि कि वे लगभग दो घंटे तक कोई कार्रवाई करने में नाकाम रहे।हमारे लोगों और वकीलों की ओर से बार-बार कॉल और ईमेल किए जाने के बावजूद, लगभग दो घंटे तक उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। यह बहुत ही गलत और अस्वीकार्य है।हम इस हमले में शामिल हर व्यक्ति की तुरंत गिरफ्तारी की मांग करते हैं। कोई भी राजनीतिक पार्टी या हथियारों से लैस गुंडों का कोई भी समूह कानून से ऊपर नहीं हो सकता।

अभिषेक बनर्जी ने जांच की मांग की

अभिषेक बनर्जी ने आगे कहा कि हमारे लोगों पर हमला कर उनके फोन छीन लिए गए।फर्नीचर तोड़ा, ऑफिस में तोड़-फोड़ की और इलेक्ट्रॉनिक सामान नष्ट कर दिया गया। हम इस घटना की भी जांच की मांग करते हैं कि इस हिंसा की योजना किसने बनाई, इसे किसने आयोजित और निर्देशित किया, और बार-बार सूचना दिए जाने के बावजूद पुलिस कार्रवाई करने में क्यों नाकाम रही।

अभिषेक बनर्जी ने न्यायपालिका से हस्तक्षेप करने की अपील की

अभिषेक बनर्जी ने शुभेंदु अधिकारी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि आज सुबह-सुबह BJP ने मेरे पार्टी ऑफिस के साथ जो किया क्या पश्चिम बंगाल के गवर्नर इसपर कोई कार्रवाई करेंगे? क्या केंद्रीय गृह मंत्री कार्रवाई करेंगे? क्या PMO कार्रवाई करेगा? या वे बस अनदेखा करते रहेंगे? अब समय आ गया है कि न्यायपालिका, खासकर कलकत्ता हाई कोर्ट, इस स्थिति का गंभीरता से संज्ञान ले और पश्चिम बंगाल में कानून का शासन बनाए रखने के लिए कदम उठाए। अभिषेक बनर्जी ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि आप तृणमूल कांग्रेस और मुझसे इतना क्यों डरते हैं कि आपको इस तरह की डराने-धमकाने की हरकतें करनी पड़ रही हैं? अगर पश्चिम बंगाल में विपक्ष के साथ हिंसा, तोड़-फोड़ और डराने-धमकाने के जरिए ऐसा बर्ताव किया जाना है, तो मुख्यमंत्री के पास पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

तारा सुतारिया का बोल्ड और विंटेज अवतार, लेपर्ड प्रिंट ड्रेस में दिए किलर पोज, इंटरनेट पर मचा बवाल

बॉलीवुड की स्टनिंग और ग्रेसफुल एक्ट्रेस तारा सुतारिया जब भी कैमरे के सामने आती हैं, अपने फैशन सेंस और कातिलाना अंदाज से लाइमलाइट चुरा लेती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

इस बार तारा ने 1990 के दशक के ओल्ड हॉलीवुड ग्लैमर और विंटेज स्टाइल को बेहद बोल्ड और मॉडर्न अंदाज में री-क्रिएट किया है। तस्वीरों में तारा टीएनए ब्रांड की लेपर्ड-प्रिंट वेलवेट बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं।

इस ऑफ-शोल्डर स्वीटहार्ट नेकलाइन वाली ड्रेस की फिटिंग तारा के कर्व्स और परफेक्ट फिगर को बेहतरीन तरीके से हाइलाइट कर रही है। वेलवेट फैब्रिक इस बोल्ड लेपर्ड प्रिंट को एक रॉयल और लक्जरी लुक दे रहा है।

आउटफिट को विंटेज टच देने के लिए तारा ने गले में पर्ल पेंडेंट वाला चंकी गोल्ड चोकर नेकलेस, विंटेज इयररिंग्स और हाथों में स्टेटमेंट रिंग्स कैरी की हैं।

तारा के लुक्स और मेकअप ने इस फोटो-शूट में चार चांद लगा दिए हैं। तारा ने अपने बालों को रेट्रो साइड-स्वीप्ड सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किया है, जो क्लासिक हॉलीवुड एक्ट्रेसेस की याद दिलाता है।

विंग्ड आइलाइनर, शेडेड आई-शैडो, न्यूड-ब्राउन लिपस्टिक और परफेक्टली स्कल्प्टेड कंटूरिंग तारा के चेहरे के फीचर्स को बेहद अट्रैक्टिव बना रहे हैं। तारा सुतारिया की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रही हैं और फैंस उनके इस वाइल्ड, बोल्ड और विंटेज अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

महिलाओं और पुरुषों के बीच फर्क पर बोलीं अंशुला कपूर, कहा- 'एक-दूसरे की आलोचना करने के बजाय...'

अंशुला कपूर ने उनकी फोटोज पर टिप्पणी करने वालों में एक खास अंतर समझाया। उन्होंने महिलाओं की प्रोत्साहन करने की भावना को पुरुषों से बेहतर बताया।

फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर इस समय बतौर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर पर काम कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक रील में 'पुरुषों की टिप्पणियां बनाम महिलाओं की टिप्पणियां' के बीच के फर्क साझा किया है। जानें क्या है मामला?

रील में क्या दिखाया गया फर्क?

अंशुला कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक रील पोस्ट की। इसमें अंशुला ने अपने व्यक्तित्व के बारे में पुरुषों और महिलाओं की राय साझा की। रील में पुरुषों की ओर से अंशुला के रूप और शरीर पर निशाना साधते हुए कई नकारात्मक टिप्पणियां दिखाई गई हैं। वहीं दूसरी तरफ महिलाओं की टिप्पणियां अधिकतर उत्साहवर्धक थीं, जिनमें से कई ने उनकी सुंदरता की प्रशंसा की और समर्थन के शब्द कहे।

क्या कहा महिलाओं के लिए

अंशुला कपूर ने महिलाओं के बारे में कहा कि वह एक-दूसरे की आलोचना करने के बजाय प्रोत्साहित करना चुनती हैं, तो वे किस तरह का ऑनलाइन माहौल बना सकती हैं। महिलाएं एक-दूसरे की तारीफ कर रही हैं। महिलाएं एक-दूसरे से कह रही हैं, तुम बहुत खूबसूरत लग रही हो। महिलाएं कह रही हैं, 'मुझे आज यही देखने की जरूरत थी। महिलाएं अजनबियों को भी महत्व दे रही हैं।'

सोशल मीडिया पर क्या बोलीं अंशुला?

इस सबके साथ अंशुला ने स्वीकार किया कि ऑनलाइन अपनी निजी कमजोरियों को जाहिर करना डरावना हो सकता है, खासकर जब आलोचना हमेशा एक टिप्पणी की दूरी पर हो। उन्होंने कहा, 'जब भी मैं अपने बारे में कुछ साझा करती हूं, तो मैं दुनिया को उस पर अपनी राय रखने की अनुमति भी दे रही होती हूं। और यह अभी भी डरावना हो सकता है।'

अंशुला कपूर के बारे में

बात करें अंशुला के वर्कफ्रंट की वह हाल ही में प्राइम वीडियो के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' में दिखाई दी थीं। वहीं व्यक्तिगत जीवन में भी अंशुला स्थापित हो चुकीं है। उन्होंने 6 जुलाई 2026 को रोहन ठक्कर की से शादी की। अर्जुन और अंशुला, बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी मोना शौरी कपूर की संतानें हैं, जबकि जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर, बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटियां हैं। इस तरह यह चारों भाई बहन हैं और आपस में एक खूबसूरत रिश्ता साझा करते हैं।

कार्ति की 'सरदार 2' का ट्रेलर जारी, दमदार एक्शन और रोमांचक कहानी ने बढ़ाई उत्सुकता, फिल्म 10 सितंबर को होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता कार्ति अपनी आगामी फिल्म 'सरदार 2' के साथ एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। पी.एस. मित्रन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर निर्माताओं ने जारी कर दिया है। फिल्म 10 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म के प्रचार अभियान और टीजर को पहले ही दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल चुकी है।

ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन, रोमांच और शानदार दृश्य देखने को मिल रहे हैं। कार्ति को एक गुप्त मिशन पर निकले व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है। कहानी में रहस्य और रोमांच के साथ कई बड़े मोड़ नजर आ रहे हैं। वहीं, अभिनेता एस.जे. सूर्या के साथ कार्ति की भिड़ंत ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

'सरदार 2' के ट्रेलर में बड़े स्तर पर फिल्माए गए एक्शन दृश्यों के साथ प्रभावशाली दृश्यांकन देखने को मिलता है। फिल्म का पार्श्व संगीत भी ट्रेलर के रोमांच को बढ़ाता है। वहीं, छायांकन ने फिल्म के दृश्यों को भव्य रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

फिल्म को लेकर दर्शकों में खास उत्साह इसलिए भी है, क्योंकि यह लोकप्रिय फिल्म 'सरदार' की अगली कड़ी है। पहली फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी और अब इसके दूसरे भाग से भी काफी उम्मीदें की जा रही हैं। फिल्म में मालविका मोहनन मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। उनके अलावा आशिका रंगनाथ और योगी बाबू भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

फिल्म का संगीत सैम सी.एस. ने तैयार किया है। इसका निर्माण प्रिंस पिक्चर्स के बैनर तले एस. लक्ष्मण कुमार और ईशान सक्सेना कर रहे हैं।

'सरदार 2' को तेलुगु भाषा में भी दर्शकों तक पहुंचाया जा रहा है। तेलुगु संस्करण का प्रदर्शन अन्नपूर्णा स्टूडियोज के बैनर के तहत किया जाएगा।

ट्रेलर में नजर आ रहे एक्शन, कार्ति का अलग अंदाज और एस.जे. सूर्या के साथ उनकी टक्कर को देखते हुए 'सरदार 2' के प्रति दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म 10 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com